सांध्य दैनिक

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534

डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./दुर्ग/1000000029/2026-28

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 17 अंक - 244 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, बुधवार 17 जून 2026 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

उत्तर भारत में मिला खतरनाक परजीवी का नया स्वरूप, इंसानों में संक्रमण का खतरा

नईदिल्ली। उत्तर भारत में भेड़ों और बकरियों पर किए गए एक वैज्ञानिक अध्ययन में चौंकाने वाले तथ्य सामने आए हैं। शोधकर्ताओं ने पाया है कि इचिनोकोकस ग्रैनुलोसस नामक परजीवी के कई खतरनाक जीनोटाइप (आनुवंशिक प्रकार) उत्तर भारत में सक्रिय रूप से फैल रहे हैं। यह परजीवी जानवरों से इंसानों में भी फैल सकता है और सिस्टिक इचिनोकोकोसिस (हाइडेटिड रोग) जैसी गंभीर बीमारी का कारण बनता है। हरियाणा के हिसार स्थित लाला लाजपत राय पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय की वैज्ञानिक पल्लवी मुदगिल, अंशू लोहान, अनिल के नेहरा, अनिल शर्मा और अमन डी. मुदगिल ने मिलकर यह अध्ययन किया। इस दौरान हरियाणा, हिमाचल प्रदेश और चंडीगढ़ के बूचड़खानों में 1,049 भेड़ों और बकरियों की जांच की गई। संक्रमित नमूनों की डीएनए जांच में वैज्ञानिकों ने जी1, जी3 और जी6 जीनोटाइप की पहचान की। सबसे महत्वपूर्ण खोज यह रही कि जी6 जीनोटाइप पहली बार उत्तर भारत की भेड़ों और बकरियों में स्पष्ट रूप से पाया गया, जिससे संकेत मिलता है कि ये पशु इस खतरनाक परजीवी के प्रसार में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

बादल फटने से आई बाढ़, उत्तरी कश्मीर में तबाही

श्रीनगर। उत्तरी कश्मीर के बांदीपोरा जिले के दूरदराज गुरेज क्षेत्र की तुलैल घाटी में मंगलवार शाम बादल फटने की घटना के बाद अचानक आई बाढ़ से इलाके में अफरा-तफरी मच गई। तेज बहाव के कारण कई स्थानों पर नुकसान हुआ, जबकि एक महत्वपूर्ण पुल भी क्षतिग्रस्त हो गया। अधिकारियों के अनुसार चकवाली नाले के पास बादल फटने के बाद पानी का स्तर अचानक बढ़ गया। तेज बहाव अपने साथ मिट्टी, पत्थर और मलबा लेकर आया, जिससे आसपास के गांव प्रभावित हुए। बाढ़ के कारण स्थानीय सड़कों को नुकसान पहुंचा और घाटी में आवाजाही अस्थायी रूप से बाधित हो गई। स्थानीय निवासियों ने बताया कि बाढ़ का पानी कृषि भूमि और निचले इलाकों में घुस गया जिससे किसानों और ग्रामीणों में चिंता बढ़ गई। हालांकि राहत की बात यह रही कि घटना में किसी भी प्रकार के जान-माल के नुकसान की तत्काल कोई सूचना नहीं मिली है। प्रशासन ने प्रभावित क्षेत्रों में नुकसान का आकलन करने टीमों को मौके पर भेज दिया है।

घुघरी कला नाला डायवर्सन के लिए 4.58 करोड़ रुपए स्वीकृत

रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार ने प्रदेश में सिंचाई सुविधाओं के विस्तार की दिशा में एक और बड़ा कदम उठाया है। शासन के जल संसाधन विभाग द्वारा बलरामपुर-रामानुजगंज जिले के विकासखंड शंकरगढ़ के अंतर्गत ग्राम घुघरी कला नाला में व्यपवर्तन योजना के निर्माण कार्य के लिए 4 करोड़ 58 लाख 75 हजार रुपए की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है। इस महत्वाकांक्षी सिंचाई योजना के पूर्ण होने से स्थानीय किसानों को अपनी फसलों के लिए पर्याप्त पानी मिल सकेगा। योजना के तहत क्षेत्र में कुल 200 हेक्टेयर भूमि सिंचित होगी।

आईआईटी भिलाई और आईएमटी नॉर्ड यूरोप के बीच डुअल डिग्री समझौता, मिलेंगे वैश्विक अवसर

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान भिलाई (आईआईटी भिलाई) और फ्रांस के इंस्टीट्यूट माइन्स-टेलीकॉम नॉर्ड यूरोप (आईएमटी नॉर्ड यूरोप) ने शैक्षणिक सहयोग को नई ऊंचाई देते हुए डुअल/जॉइंट डिग्री समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। यह समझौता फ्रांस के नीस शहर में 14 से 16 जून 2026 तक आयोजित 'भारत इनोवेट्स' कार्यक्रम के दौरान संपन्न हुआ।

यह समझौता 4 जुलाई 2025 को भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान भिलाई और इंस्टीट्यूट माइन्स-टेलीकॉम नॉर्ड यूरोप के बीच हुए सहयोग समझौते की अगली महत्वपूर्ण कड़ी है, जो दोनों संस्थानों के बीच बढ़ते शैक्षणिक और अनुसंधान सहयोग को और मजबूत करेगा। डुअल/जॉइंट डिग्री समझौते के तहत दोनों संस्थानों के विद्यार्थियों को एकीकृत शैक्षणिक कार्यक्रमों के माध्यम से भारत और फ्रांस में अध्ययन का अवसर मिलेगा।

छात्र भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान भिलाई तथा इंस्टीट्यूट माइन्स-टेलीकॉम नॉर्ड यूरोप दोनों द्वारा मान्यता प्राप्त डिग्रियां अर्जित कर सकेंगे। इससे विद्यार्थियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर की शिक्षा, वैश्विक शैक्षणिक अनुभव और बहुसांस्कृतिक वातावरण में सीखने का अवसर प्राप्त होगा। संस्थानों के अधिकारियों के अनुसार यह समझौता नवाचार आधारित शिक्षा, वैश्विक शैक्षणिक आदान-प्रदान और अनुसंधान सहयोग को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। इसके माध्यम से छात्र एवं संकाय विनिमय, संयुक्त अनुसंधान परियोजनाओं तथा उन्नत शैक्षणिक कार्यक्रमों के विकास को भी प्रोत्साहन मिलेगा। 'भारत इनोवेट्स' कार्यक्रम के दौरान हुए इस समझौते को भारत और फ्रांस के बीच उच्च शिक्षा क्षेत्र में बढ़ते सहयोग का महत्वपूर्ण उदाहरण माना जा रहा है। यह पहल भारतीय उच्च शिक्षा संस्थानों के वैश्वीकरण और अंतरराष्ट्रीय साझेदारियों को मजबूत करने की दिशा में एक उल्लेखनीय कदम है।

कोरबा-चांपा के बीच 755 करोड़ से बिछेगी तीसरी रेललाइन, मिली केन्द्र की मंजूरी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। भारतीय रेल ने दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे (एसईसीआर) की 42 किलोमीटर लंबी चांपा-कोरबा तीसरी रेल लाइन परियोजना को लगभग 755 करोड़ रुपए की अनुमानित लागत से मंजूरी प्रदान की है। इस परियोजना के अंतर्गत चांपा और कोरबा के बीच तीसरी रेलवे लाइन का निर्माण किया जाएगा। इस रेल गलियारे की पहचान भारतीय रेल के 'मिशन 3000 एमटी' और 'उच्च-घनत्व नेटवर्क (एचडीएन) कॉरिडोर' पहल के तहत की गई है, जिनका उद्देश्य माल ढुलाई को मजबूत करना तथा देश की बढ़ती ऊर्जा आवश्यकताओं को पूरा करने में सहयोग प्रदान करना है।

कोरबा, जिसे व्यापक रूप से भारत की ऊर्जा राजधानी के नाम से जाना जाता है, अनेक ताप विद्युत संयंत्रों का केन्द्र है और देश के सबसे महत्वपूर्ण कोयला परिवहन केन्द्रों में से एक है। चांपा-कोरबा रेल खंड, साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एसईसीएल) और महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड (एमसीएल) की कोयला खदानों को राष्ट्रीय रेल नेटवर्क तथा मुम्बई-हावड़ा उच्च घनत्व वाले गलियारे से जोड़ने वाली एक महत्वपूर्ण रेल कड़ी के रूप में कार्य करता है।

10 जोड़ी यात्री ट्रेनें व 55 जोड़ी मालगाड़ियां

वर्तमान में इस रेल खंड पर प्रतिदिन लगभग 10 जोड़ी यात्री ट्रेनें और लगभग 55 जोड़ी मालगाड़ियां चलती हैं। परियोजना के पूरा होने पर, प्रतिदिन प्रत्येक दिशा में दो अतिरिक्त यात्री ट्रेनें चलने की सुविधा मिलने की उम्मीद है। साथ ही, यह परियोजना 5.95 मिलियन टन प्रति वर्ष (एमटीपीए) अतिरिक्त माल ढुलाई में भी सहयोग प्रदान करेगी। इस परियोजना से प्रतिवर्ष लगभग 85 करोड़ रुपये की अतिरिक्त शुद्ध आय होने का अनुमान है, जिसमें 82 करोड़ रुपये माल ढुलाई से और 3 करोड़ रुपये कोचिंग सेवाओं (यात्री सेवाओं) से प्राप्त होंगे। साथ ही तीसरी रेल लाइन से मालगाड़ियों के ठहराव और देरी में भी कमी आएगी। वर्तमान में मालगाड़ियों को प्रत्येक दिशा में लगभग पाँच मिनट की देरी का सामना करना पड़ता है। इस देरी में कमी आने से प्रतिवर्ष लगभग 1.30 करोड़ रुपए की परिचालन बचत होने का अनुमान है।

क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था को मिलेगी मजबूती

छत्तीसगढ़ के विकास को नई गति देने वाले 755 करोड़ के चांपा-कोरबा तीसरी रेल लाइन परियोजना को स्वीकृति प्रदान करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव का हार्दिक आभार। यह परियोजना न केवल कोयला परिवहन क्षमता को सुदृढ़ करेगी, बल्कि यात्री सुविधाओं के विस्तार, औद्योगिक विकास और क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था को भी नई मजबूती प्रदान करेगी। विकसित छत्तीसगढ़ और विकसित भारत के संकल्प की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण कदम है।

-विष्णु देव साय, मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़ शासन

रक्षा क्षेत्र में 1.78 लाख करोड़ के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचा उत्पादन

■ बीते वित्तीय वर्ष की तूलना में 15 फीसदी से ज्यादा की बढ़ोत्तरी

नईदिल्ली ए.। भारत ने रक्षा उत्पादन के क्षेत्र में एक नया इतिहास रच दिया है। सरकार ने बुधवार को जानकारी दी कि पिछले वित्त वर्ष (2025-26) में देश का सालाना रक्षा उत्पादन 1.78 लाख करोड़ रुपये के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया। यह अब तक का सबसे बड़ा आंकड़ा है।

अगर पिछले वर्ष यानी वित्त वर्ष 2024-25 से तुलना करें, तो इसमें 15.6 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। उस समय यह आंकड़ा 1.54 लाख करोड़ रुपये था। रक्षा मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक, वर्ष 2020-21 के मुकाबले रक्षा उत्पादन में 110 प्रतिशत का उछाल आया है। उस समय उत्पादन केवल 84,643 करोड़ रुपये था। अगर हम वर्ष 2013-14 की बात करें, तो तब रक्षा उत्पादन 43,746 करोड़ रुपये था। इस तरह पिछले कुछ

वर्षों में यह लगभग चार गुना बढ़ गया है।

देश के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इस सफलता का श्रेय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रेरणादायी नेतृत्व को दिया है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट में रक्षा उत्पादन विभाग के साथ-साथ सरकारी और निजी क्षेत्रों की कोशिशों की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि यह बढ़ोतरी देश के मजबूत होते रक्षा औद्योगिक आधार का साफ संकेत है। सरकार की नीतियों, नई पहलों और निजी क्षेत्र की बढ़ती भागीदारी से आने वाले वर्षों में इस क्षेत्र में और भी तेजी आएगी।

भिलाई में परिवार पर जानलेवा हमला गर्भवती महिला सहित कई हुए घायल

■ पुरानी रंजिश का मामला, आरोपियों की तलाश में पुलिस

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दुर्ग जिले के जामुल थाना क्षेत्र अंतर्गत घासीदास नगर में मंगलवार की रात को एक परिवार पर जानलेवा हमला हुआ। 10 से 15 की संख्या में पहुंचे अज्ञात बदमाशों ने लाठी डंडे व चाकू से हमला किया। इस बवाल के दौरान आस पड़ोस के लोग बचाव के लिए पहुंचे लेकिन उनपर हमला हुआ। इस पूरी घटना में गर्भवती महिला सहित कई लोग घायल हो गए हैं। घटना के बाद हमलावर फरार हो गए। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलों को अस्पताल पहुंचाया और आरोपियों की तलाश में जुट गई है।

मिली जानकारी के अनुसार वार्ड 23 घासीदास नगर निवासी दीपक साहू और उनके परिवार मंगलवार की राज को अज्ञात हमलावरों ने धावा बोल दिया। 10 से 15 की संख्या में पहुंचे बदमाशों ने घर में घुसकर भारी उत्पात मचाया। इस दौरान पड़ोस के लोग भी बीच बचाव करने पहुंचे तो उनपर भी हमला कर दिया। दीपक साहू के पड़ोसी सतीश मार्कण्डेय और गर्भवती महिला आरती साहू इस हमले में गंभीर रूप से घायल हुई हैं। वहीं दीपक साहू के परिवार के लोग भी घायल हो गए। घटना के बाद सभी बदमाश भाग गए।

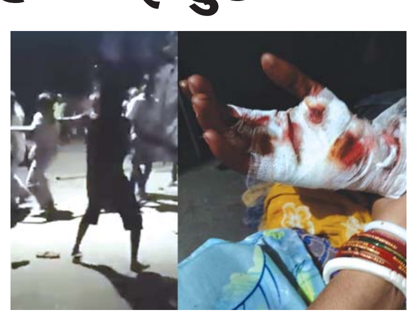

इधर घटना की सूचना मिलते ही जामुल पुलिस दलबल के साथ पहुंची। जब तक पुलिस पहुंचती सभी हमलावर वहां से भाग चुके थे। आनन फानन में सभी घायलों को सीसीएम मेडिकल कालेज ले जाया गया। वहां से सभी को शंकराचार्य मेडिकल कॉल् अस्पताल रेफर किया गया। रात को अचानक हुए इस हमले के बाद घासीदास नगर के लोगों में आक्रोश है और रात को ही मोहल्ले वाले थाने का घेराव करने पहुंचे।

स्कूटी जलाने से शुरू हुआ था विवाद

बताया जा रहा है कि दो दिन पहले दीपक साहू के घर के बाहर स्कूटी को आग लगाने के मामले में जामुल पुलिस ने नाबालिग को गिरफ्तार किया था। जमानत मिलने के बाद उसी नाबालिग ने अपने साथियों के साथ दीपक साहू के परिवार पर हमला कर दिया। इस मामले में जामुल थाना प्रभारी रामेन सिंह का कहना है कि हमले में शामिल आरोपियों की पहचान कर जल्द उन्हें गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

रायपुर एयरपोर्ट पर टला हादसा, लैंडिंग के दौरान एयर इंडिया फ्लाइट से टकराया पक्षी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। स्वामी विवेकानंद एयरपोर्ट पर बुधवार को उस वक्त अफरा-तफरी का माहौल बन गया, जब दिल्ली से रायपुर पहुंची एयर इंडिया की एक फ्लाइट लैंडिंग के दौरान बर्ड हिट का शिकार हो गई। रनवे पर उतरते समय अचानक एक पक्षी विमान से टकरा गया। हालांकि पायलट की सतर्कता और सुरक्षा प्रोटोकॉल के चलते विमान सुरक्षित लैंड हो गया और सभी यात्री व क्रू मेंबर सुरक्षित रहे।

जानकारी के मुताबिक, एयर इंडिया की यह नियमित उड़ान दिल्ली से रायपुर पहुंच रही थी। विमान जैसे ही रनवे पर उतरने की प्रक्रिया में था, तभी एक पक्षी उसके संपर्क में आ गया। घटना के तुरंत बाद एयर ट्रैफिक कंट्रोल (ञ्ज्ररू) और एयरपोर्ट प्रबंधन सक्रिय हो गया और विमान को सुरक्षा जांच के दायरे में लिया गया। राहत की बात यह रही कि विमान को किसी प्रकार का गंभीर नुकसान नहीं हुआ और यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया।

छत्तीसगढ़ डीएमएफ घोटाला : कांग्रेस नेता व कारोबारियों के ठिकानों पर ईडी की रेड

■ रेड में मिला 1 करोड़ कैश, कोरबा-धमतरी में ज्यादा रकम मिली

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ के बहुचर्चित जिला खनिज न्यास (डीएमएफ) घोटाला मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मंगलवार को 5 जिलों में छापेमारी की थी। अब जांच के दौरान 1 करोड़ रुपए से अधिक कैश जब्त किया गया है। यह कार्रवाई करीब 575 करोड़ रुपए के कथित DMF घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में हुई है।

श्वष्ठ की टीमों ने रायपुर, धमतरी, दुर्ग, कोरबा और अंबिकापुर जिले के 9 ठिकानों पर दबिश दी थी। इनमें 4 आवासीय परिसर और 5 कारोबारियों के व्यापारिक ठिकाने शामिल थे। बताया जा रहा है कि, छापेमारी के दौरान सबसे ज्यादा पैसा कोरबा और धमतरी के ठिकानों से मिला है। जांच के बाद खुलासा करेंगे।

जानकारी के अनुसार, ईडी ने कारोबारी प्रकाश सालुंके, किशोर एग्रो से जुड़े कारोबारी शाश्वत लुणावत, मानसून एग्रो के प्रमोटर और कांग्रेस नेता राकेश गुप्ता, कारोबारी दीपेश गांधी समेत कई लोगों से जुड़े परिसरों की जांच की थी। राकेश गुप्ता कृषि विभाग के बड़े सप्लायर हैं। वे सरगुजा से कांग्रेस के पूर्व जिलाध्यक्ष भी रहे हैं। पूर्ववर्ती भूपेश सरकार के कार्यकाल में राकेश गुप्ता के फर्म से की गई सप्लाई की भी जांच हुई। इस दौरान सुरक्षा के लिए केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के जवान भी तैनात रहे।

छत्तीसगढ़ में मौसम का दोहरा वार, कहीं बारिश तो कहीं तपिश, 12 जिलों के लिए यलो अलर्ट

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में मानसून के दस्तक देने से पहले मौसम का मिजाज लगातार बदल रहा है। एक ओर प्रदेश के कई हिस्सों में तेज गर्मी और उमस लोगों की परेशानी बढ़ा रही है, तो दूसरी तरफ कुछ जिलों में बारिश और तेज हवाओं की गतिविधियां देखने को मिल रही हैं। राजधानी रायपुर में मंगलवार को कई इलाकों में अंधड़ के साथ बारिश और बूंदाबांदी हुई, लेकिन इसके बाद निकली तेज धूप ने उमस को और बढ़ा दिया। वहीं बिलासपुर प्रदेश का सबसे गर्म शहर रहा, जहां तापमान 42 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया।

मौसम विभाग के अनुसार प्रदेश में अगले पांच दिनों तक

हल्की से मध्यम बारिश, गरज-चमक और तेज हवाओं की संभावना बनी हुई है। उत्तरी छत्तीसगढ़ में अधिकतम तापमान में करीब 2 डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी दर्ज की गई है, जबकि स्थानीय मौसमी तंत्र के कारण दक्षिणी इलाकों में बारिश का असर दिखाई दे रहा है। मौसम विभाग का कहना है कि प्रदेश में फिलहाल प्री-मानसून गतिविधियां सक्रिय बनी रहेंगी। अगले दो दिनों तक भी एक-दो स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश, गरज-चमक के साथ वज्रपात और 50 किलोमीटर प्रति घंटे तक की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की संभावना है। ऐसे में मानसून के आगमन से पहले छत्तीसगढ़ के लोगों को गर्मी और बारिश, दोनों तरह के मौसम का सामना करना पड़ सकता है।

मौसम विभाग ने प्रदेश के कई जिलों में खराब मौसम को लेकर यलो अलर्ट जारी किया है। बलौदाबाजार, जांजगीर-चांपा, रायगढ़, बिलासपुर, कोरबा, गौरेला-पेंड्रा-मरवाही, बेमेतरा, कबीरधाम, मुंगेली, सरगुजा, सूरजपुर और कोरिया में गरज-चमक, आकाशीय बिजली, तेज हवाएं और बारिश की आशंका जताई गई है।

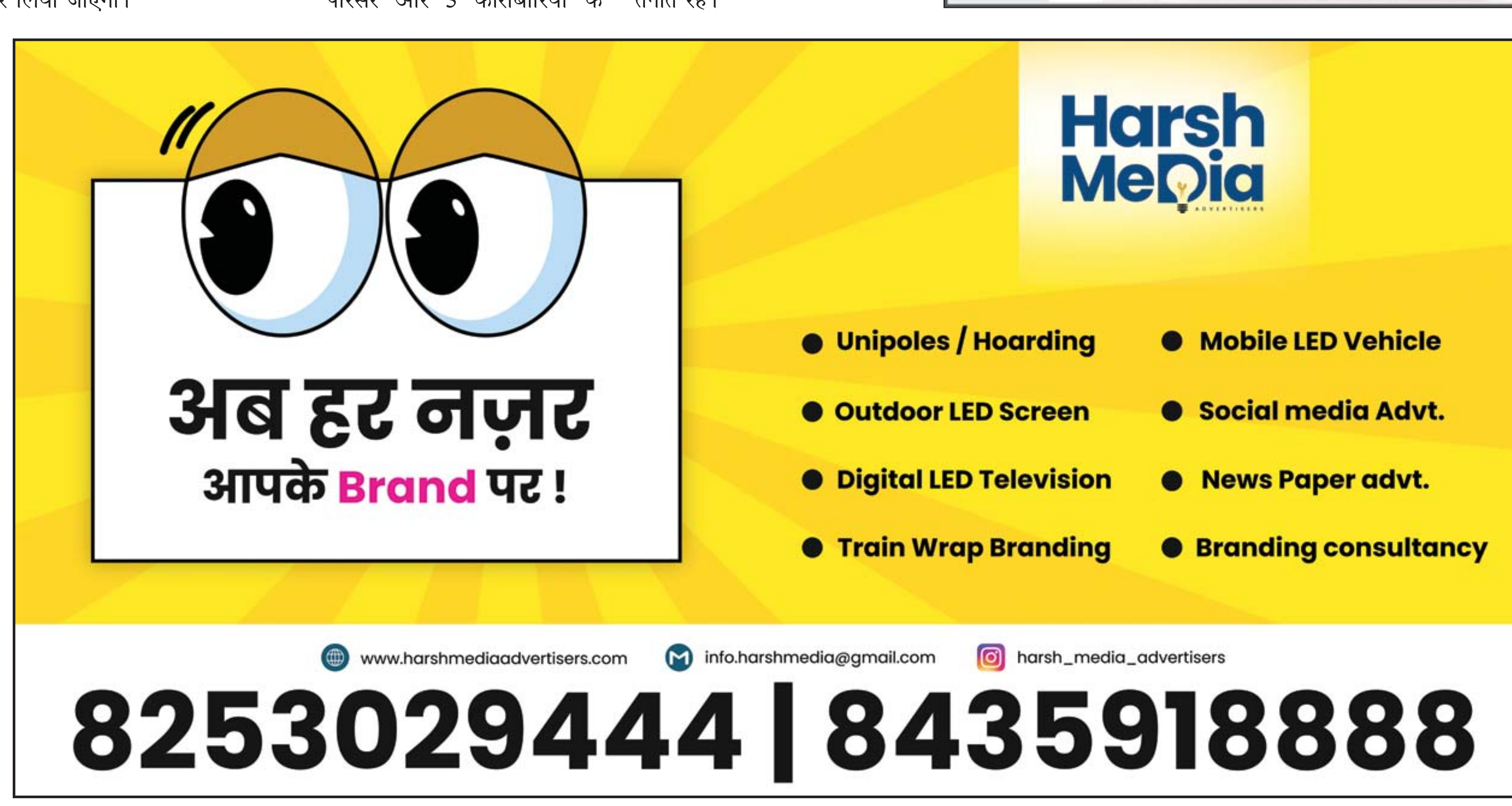

संपादकीय

‘चिट्टा’ को चुनौती

पंचायतें बन रही हैं बदलाव की वाहक

हाल के दिनों में पंजाब के बाद, हिमाचल के लिए भी नशीले पदार्थों का तेजी से बढ़ता दुरुपयोग एक गंभीर सामाजिक चुनौती बन गया है। नशे के बढ़ते सेवन की जो समस्या कभी सीमावर्ती राज्यों व सिर्फ शहरी क्षेत्रों तक सीमित मानी जाती थी, अब दुर्भाग्य से वह इस पहाड़ी राज्य के गांवों तक पहुंच गई है। जिससे कई परिवारों का अस्तित्व, लोगों की आजीविका और युवा पीढ़ी का भविष्य भी खतरे में नजर आ रहा है। ऐसे हालात में राज्य सरकार का वह फैसला एक नई उम्मीद की किरण लेकर आया है, जिसमें नशीले पदार्थों से मुक्ति के अभियान ‘चिट्टा-मुक्त गांव’ में पंचायतों को शामिल करने का रणनीतिक निर्णय लिया गया है। सालों तक इस संकट को कानून व्यवस्था से जुड़ा प्रश्न माना जाता रहा है। नशीले पदार्थों की समस्या से निपटने के लिये सप्लायरों व नशे की आदत का शिकार लोगों की गिरफ्तारी, नशीले पदार्थों की बरामदगी और पुलिस की कार्रवाई को प्राथमिकता बना लिया गया था। निस्संदेह, कानून के अनुपालन के बिना इस संकट का समाधान संभव भी नहीं था, लेकिन सिर्फ इन प्रयासों से सफलता कम ही मिली। नशीले पदार्थ बेचने वालों की गिरफ्तारी के बाद सप्लाई चेन तेजी से बदल जाती है। नशे के कारोबारी स्थानीय तंत्र की कमजोरी का लाभ उठाते और नये लोग नशे की लत की चपेट में आ जाते थे। इस संकट के बने रहने ने संकेत दिए कि यह समस्या सिर्फ कानूनी नहीं है बल्कि इसे एक सामाजिक और सार्वजनिक स्वास्थ्य से जुड़े संकट के रूप में भी देखा जाना चाहिए। निर्विवाद रूप से किसी ग्रामीण समाज में पंचायतों की एक महत्वपूर्ण भूमिका होती है। पंचायतें ग्रामीण परिवेश में स्थानीय हालात को बेहतर ढंग से समझती हैं। वहीं दूसरी ओर उन्हें स्थानीय समुदायों का विश्वास भी हासिल होता है। वे गांव के लोगों के व्यवहार संबंधी बदलावों को आसानी से से पहचान सकती हैं। ऐसे बदलाव जिन्हें दूर बैठे प्रशासन व पुलिस के अधिकारी नहीं समझ सकते।

“ नशीले पदार्थों की समस्या से निपटने के लिये सप्लायरों व नशे की आदत का शिकार लोगों की गिरफ्तारी, नशीले पदार्थों की बरामदगी और पुलिस की कार्रवाई को प्राथमिकता बना लिया गया था। निस्संदेह, कानून के अनुपालन के बिना इस संकट का समाधान संभव भी नहीं था, लेकिन सिर्फ इन प्रयासों से सफलता कम ही मिली। नशीले पदार्थ बेचने वालों की गिरफ्तारी के बाद सप्लाई चेन तेजी से बदल जाती है। नशे के कारोबारी स्थानीय तंत्र की कमजोरी का लाभ उठाते और नये लोग नशे की लत की चपेट में आ जाते थे। इस संकट के बने रहने ने संकेत दिए कि यह समस्या सिर्फ कानूनी नहीं है बल्कि इसे एक सामाजिक और सार्वजनिक स्वास्थ्य से जुड़े संकट के रूप में भी देखा जाना चाहिए। निर्विवाद रूप से किसी ग्रामीण समाज में पंचायतों की एक महत्वपूर्ण भूमिका होती है।

इस बात में दो राय नहीं हो सकती कि यदि पंचायतों को प्रभावी अधिकार और संसाधन उपलब्ध करा दिए जाएं तो वे जागरूकता अभियान को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन कर सकती हैं। साथ ही ग्रामीण परिवारों को समय रहते मदद लेने को प्रोत्साहित कर सकती हैं। इतना ही नहीं, वे इस जागरूकता अभियान का दायरा बढ़ाने और बेहतर परिणाम हासिल करने के लिये स्कूल तथा स्वास्थ्य कर्मियों के साथ सार्थक तालमेल स्थापित कर सकती हैं। साथ ही बिना किसी भेदभाव के, संवेदनशील ढंग से पुनर्वास के प्रयासों में मदद कर सकती हैं। वहीं दूसरी ओर गांव स्तर पर निगरानी समितियां बनाकर पंचायतें नशे की आपूर्ति श्रृंखला पर नजर रख सकती हैं। वे समय रहते कानून के क्रियान्वयन करने वाली एजेंसियों को भी सतर्क करने में मददगार साबित हो सकती हैं। इसके अलावा बेहतर परिणाम हासिल करने के लिये पंचायत प्रतिनिधियों को प्रशिक्षण, आर्थिक सहायता और काम को बेहतर ढंग से करने के लिये जरूरी दिशा-निर्देश भी दिये जा सकते हैं। यह भी हकीकत है कि पेशेवर अधिकारियों व कर्मचारियों की मदद के बिना गांवों की चुनी हुई संस्थाओं के द्वारा नशे की समस्या से पूरी तरह निपट पाना संभव नहीं है। इसके साथ ही सरकार को नशा-मुक्ति केंद्रों को सशक्त बनाने की भी जरूरत होगी। इसके अलावा नशे पर शिकंजा कसने के लिये जरूरी होगा कि ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार किया जाए। वहीं दूसरी ओर नशीले पदार्थों के सेवन के खतरे का सामना कर रहे युवाओं के लिये रोजगार के अवसर बढ़ाने की भी जरूरत होगी। यह भी कि मानसिक तनाव से मुक्ति के लिये मनोरंजन के अवसर बढ़ाने पर भी ध्यान दिया जाना चाहिए। निस्संदेह, महात्मा गांधी के ग्राम स्वराज की अवधारणा के क्रम में हिमाचल सरकार का यह प्रयोग एक महत्वपूर्ण सच को सामने लाता है कि स्थायी बदलाव सरकारी दफ्तरों से नहीं बल्कि हकीकत में गांव से ही शुरू हो सकता है। जहां ग्रामीणों की सामूहिक जिम्मेदारी नशे की लत दूर करने के लिये एक मजबूत इलाज बन सकती है। यदि पंचायतों को पर्याप्त संसाधन व मदद मिले तो पंचायतें भी बदलाव लाने और मौजूदा पीढ़ी के स्वास्थ्य की रक्षा करने वाली ताकत बन सकती हैं।

पंडित नेहरू के इंडिया से मोदीजी के भारत तक

हरदीप सिंह पुरी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पिछले 10 जून को हमारे इतिहास के लगातार सबसे लंबे समय तक सेवा में रहने वाले निर्वाचित प्रधानमंत्री बन गए। इस दरमियान काफी समय तक भारतीय शासन की सेवा करने के नाते मैं कह सकता हूं कि मोदीजी की उपलब्धि कार्यकाल की लंबाई नहीं है। उन्होंने इस पद पर रहते हुए जो कुछ किया, वास्तविक उपलब्धि वह है।

मोदीजी ने 10 जून, 2026 को प्रधानमंत्री के पद पर अपना लगातार 4399वां दिन पूरा कर लिया। उन्होंने पंडित जवाहरलाल नेहरू के 1952 में पहली निर्वाचित सरकार से 1964 में उनके निधन तक लगातार प्रधानमंत्री रहने के कीर्तिमान को पीछे छोड़ दिया। 1947 से देखें तो सबसे लंबे समय तक लगातार प्रधानमंत्री के पद पर रहने का रिकॉर्ड अब भी पंडित नेहरू के नाम ही है। लेकिन मोदीजी ने उन्हें हमारे गणराज्य के इतिहास में लगातार सबसे लंबे समय तक निर्वाचित शासन प्रमुख रहने के मामले में पीछे छोड़ दिया है। इस दरमियान मैंने अपना कामकाजी जीवन शासन के अंदर गुजारा है। इस उपलब्धि में मेरी दिलचस्पी गणित के लिहाज से कम है। मेरी ज्यादा दिलचस्पी इसमें है कि इस उपलब्धि को कैसे मापा जा सकता है। पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने सिखाया है कि सरकार को इस बात से आंका जाना चाहिए कि कतार के आखिर में खड़े आदमी तक क्या कुछ पहुंचता है। इसे ही अंत्योदय कहते हैं। पंडित नेहरू के ‘इंडिया’ और मोदीजी के ‘भारत’ के बीच का फासला वह दूरी है जिसे इस आखिरी आदमी ने तय किया है।

एक निष्पक्ष मूल्यांकन करें तो देखते हैं कि पंडित नेहरू को विरासत में क्या मिला था। उन्हें विरासत में एक ऐसा विभाजित उपमहाद्वीप मिला जो इतिहास के सबसे बड़े जबरन विस्थापन से जूझ रहा था, दो सदियों के औपनिवेशिक शोषण से खोखली हो चुकी अर्थव्यवस्था मिली, ऐसी आबादी मिली जिसमें पाँच में से एक से भी कम लोग पढ़-लिख सकते थे और औसत उम्र तीस साल के आस-पास थी। उस विरासत के आधार पर उन्होंने एक ऐसा संवैधानिक लोकतंत्र खड़ा किया जो टिका रहा, जबकि एक के बाद एक स्वतंत्र हुए कई अन्य देश सेना के जनरलों या तानाशाहों के कब्ज़े में चले गए। ‘योजना आयोग’ दिशा तय करता था, सार्वजनिक क्षेत्र की अर्थव्यवस्था पर मजबूत पकड़ थी और लाइसेंस प्रणाली यह तय करती थी कि कौन क्या उत्पादन कर सकता है। विश्वविद्यालय, प्रयोगशालाएँ, परमाणु और अंतरिक्ष कार्यक्रम - आज़ाद भारत की संस्थागत नींव उन्हीं वर्षों में रखी गई थी। मैं 1974 में विदेश सेवा में आया और जिस भारत का मैंने प्रतिनिधित्व किया, वह एक गंभीर देश था जिसने अपनी व्यवस्था की क्षमता के अनुसार पूरी गरिमा के साथ अभावों का सामना करने का रास्ता चुना था।

उस व्यवस्था की कीमत तब तक साफ दिखने लगी थी जब तक मैं अपने करियर के मध्य पड़ाव पर पहुँचा। सरकार ने योजनाओं का आवंटन करना तो सीख लिया था, लेकिन वह वितरण करना नहीं सीख पायी थी। दिल्ली में घोषित किसी योजना और गाँव में मिलने वाले लाभ के बीच का जो फासला था, वहीं सारा पैसा गायब हो जाता था। एक पूर्व प्रधानमंत्री का यह मानना कि हर एक रुपये में से सिर्फ पंद्रह पैसे ही गरीबों तक पहुँच पाते हैं, इस मॉडल पर अपने आप में एक बड़ा सवाल था। सरकार योजना तो बना सकती थी, लेकिन वह लोगों तक पहुँच नहीं पाती थी।

2014 में मोदी जी को जो विरासत मिली, उसका भी उतना ही ईमानदार मूल्यांकन होना चाहिए। उन्होंने एक ऐसी अर्थव्यवस्था की कमान संभाली थी जिसे बाज़ार ने ‘फ़्रैजाइल फाइव’ (पांच सबसे कमजोर अर्थव्यवस्थाओं) की श्रेणी में रखा था; जो अटकी हुई परियोजनाओं के बोझ तले दबी थी, दोहरे अंकों की मुद्रास्फीति और भ्रष्टाचार से घिरी थी जिसने शासन पर से जनता के भरोसे को ही खोखला कर दिया था। इसका समाधान उन्होंने एक बिल्कुल अलग तरह की व्यवस्था बनाकर किया।

‘योजना आयोग’ की जगह ‘नीति आयोग’ ने ले ली, जो राज्यों को निर्देश देने के बजाय उन्हें साथ लेकर चलता है। पहचान (पहचान पत्र), बैंक खाता और मोबाइल फोन को एक साथ जोड़ा गया और सरकार ने बिचौलियों के बजाय, जो चार दशकों से अपना कमीशन ले रहे थे, नागरिकों को सीधे भुगतान करना शुरू कर दिया। ‘प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण’ एक निर्णायक माध्यम है जो बहुत साधारण लगता है लेकिन इसने शासन के इरादे की बजाय वास्तविक लाभ के मिलने पर ध्यान केंद्रित किया।

इसके बाद जो हुआ, वह एक ‘मंच’ के रूप में सरकार की नई परिकल्पना थी। भारत ने सार्वजनिक डिजिटल ढांचा और एक ऐसी पहचान व्यवस्था बनाई जो पूरे उपमहाद्वीप में काम करती है। एक ऐसा भुगतान नेटवर्क खड़ा किया गया जिसका आज पूरी दुनिया अध्ययन कर रही है। पचास करोड़ से अधिक जनधन खातों ने उन परिवारों के लिए औपचारिक बैंकिंग के दरवाजे खोल दिए, जहाँ यह सुविधा पहले कभी नहीं पहुँची थी। नीति आयोग के अनुमान के अनुसार, इसी दशक में लगभग पच्चीस करोड़ भारतीय गरीबी से बाहर आए हैं और जिस अर्थव्यवस्था को बाजारों ने खारिज कर दिया था, वह अब किसी भी अन्य बड़ी अर्थव्यवस्था की तुलना में तेजी से बढ़ रही है। जो सरकार कभी नागरिक और उसकी जरूरत के बीच में रुकावट बन जाती थी, वह अब किनारे हटकर उसका आगे बढ़ने का मार्ग बना रही है। ‘भारत’ शब्द के पीछे यही मूल भावना है।

मैं जिस पद पर हूँ, वहाँ से इस बदलाव के बारे में बात कर सकता हूँ। साल 2014 में, हमारे पेट्रोल में इथेनॉल संमिश्रण का स्तर 1.53 प्रतिशत था। इस वर्ष हम बीस प्रतिशत के स्तर पर पहुँच चुके हैं—एक ऐसा लक्ष्य जो कभी 2030 के लिए तय किया गया था और जिसे हमने आधा दशक पहले ही हासिल कर लिया है। वह पैसा जो कभी कच्चे तेल की खरीद के लिए देश से बाहर चला जाता था, वह अब हमारे किसानों तक पहुँच रहा है, जो हमें अन्न देने वाले ‘अन्नदाता’ के साथ-साथ अब ऊर्जा देने वाले ‘ऊर्जादाता’ भी बन गए हैं। इन्हीं वर्षों में, उज्ज्वला योजना ने पहली बार दस करोड़ से अधिक गरीब परिवारों तक रसोई गैस पहुँचाई और इसकी सब्सिडी बिना किसी बिचौलिये के सीधे लाभार्थी के खाते में भेजी गई। यह ‘अंत्योदय’ का ही एक रूप है, जो अब लीटर और सिलेंडर के माध्यम से साकार हो रहा है। अब योजनाएँ समाज के आखिरी पायदान पर खड़े व्यक्ति को नज़रअंदाज़ नहीं करतीं, बल्कि उन्हीं को केंद्र में रखकर बनाई जाती हैं।

यही लेखा-जोखा ईंट और स्टील के क्षेत्र में भी दिखाई देता है। ‘आवास योजना’ के तहत उन परिवारों के लिए लगभग चार करोड़ पक्के मकान बनाए गए हैं, जिनके पास अपना कोई घर नहीं था। 2014 में केवल पांच शहरों में मेट्रो चलती थी, आज बीस से अधिक शहरों में दौड़ रही है। हवाई अड्डों की संख्या लगभग दोगुनी हो गई है, और ‘उड़ान’ योजना ने उन छोटे शहरों के लोगों के लिए भी हवाई यात्रा मुमकिन बना दी है, जहाँ के लोग पहले सिर्फ़ आसमान से गुज़रते हुए हवाई जहाज़ों को देखा करते थे। रेलवे का लगभग पूरी तरह से विद्युतीकरण कर दिया गया है और अब वहां देश में ही निर्मित सेमी-हाई-स्पीड ट्रेनें चल रही हैं। ये सब कोई काल्पनिक बातें नहीं हैं। हर बदलाव का मतलब है लंबी लाइनें खत्म हुईं, सफर में अब पूरा दिन बर्बाद नहीं होता और टपकने वाली छत की जगह एक मज़बूत छत मिल गई है।

बाकी चीज़ों के साथ-साथ वित्तीय ढांचा भी बदला। वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) ने, अपनी शुरुआती तमाम दिक्कतों के बावजूद, देश को एक साझा राष्ट्रीय बाजार दिया—एक ऐसा बाजार जिसे बनाने के प्रयास में पिछले दो दशकों की हर वह सरकार नाकाम रही थी जिसने इसके लिए कोशिश की थी। केंद्र और राज्य अब ‘ईज़ ऑफ डूइंग बिजनेस’ (व्यापार करने की सुगमता) और वितरण (सेवाओं को जनता तक पहुँचाने) की गुणवत्ता पर एक-दूसरे से प्रतिस्पर्धा करते हैं, यह आवंटन को लेकर होने वाले पुराने झगडे से कहीं अधिक स्वस्थ प्रतिस्पर्धा है।

इसी भरोसे ने विदेशों में भारत की छवि को बदला है और देश का प्रतिनिधित्व करने के अपने वर्षों के अनुभव के आधार पर मैं यह बात कह सकता हूँ। पंडित नेहरू की ‘गुटनिरपेक्षता’ की नीति एक ऐसे गरीब और नए देश के लिए समझदारी भरा कदम था जो किसी एक पक्ष को चुनने का जोखिम नहीं उठा सकता था। वहीं, ‘मल्टी-अलाइनमेंट’ की मौजूदा नीति एक ऐसे देश का रुख है जो चाहता है कि हर पक्ष उसे अपने साथ जोड़ने की कोशिश करे। भारत अपनी जी-20 की अध्यक्षता को केवल राजधानी तक सीमित रखने के बजाय संघ के हर एक राज्य तक लेकर गया और भारत को ‘विकासशील और अल्पविकसित देशों की आवाज के रूप में पेश करने की इस रणनीति ने एक पुरानी विकासात्मक कमजोरी को नेतृत्व के दावे में बदल दिया। जो देश अपने घरेलू स्तर पर नीतियों के क्रियान्वयन को लेकर आश्वस्त होता है, वह दुनिया के सामने एक अलग ही तरह से बात करता है।

इतने बड़े पैमाने पर किये गए काम की समीक्षा तो होती ही है और हमारे देश जैसे बहस-मुबाहिसे वाले लोकतंत्र में तो यह ज़रूर होगी। लेकिन सरकार से पूछे जाने वाले सवाल स्पष्ट रूप से बदल गए हैं और यही इस सफर में तय की गई दूरी का पैमाना है। पंडित नेहरू के भारत में यह सवाल पूछा जाता था कि सरकार क्या दे सकती है। मोदी जी के भारत में यह पूछा जाता है कि सरकार क्या काम पूरा करके दिखा सकती है और साथ ही उसका सबूत दिखाने पर भी जोर दिया जाता है। इसीलिए 10 जून का दिन खास है और इसमें दिनों की गिनती उतनी अहमियत नहीं रखती। पंडित नेहरू ने भारतीय राज्य का ढांचा खड़ा किया था। मोदी जी ने इसे नए सिरे से तैयार किया है ताकि यह उस नागरिक तक पहुंच सके जिसके नाम पर इसे बनाया गया था। मैंने राज्य के इन दोनों रूपों में सेवा की है और मैं जानता हूं कि कतार में खड़ा आखिरी व्यक्ति किस बदलाव को हमेशा याद रखेगा। जो वादा कभी कहीं पहले भरोसे पर मानना पड़ता था, वह अब सीधे उसके अपने हाथों में पहुँच रहा है। यही वह ‘विकसित भारत’ है जिसे हमने 2047 तक बनाने का संकल्प लिया है और जैसा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने कहा था- इसकी शुरुआत, कतार के उसी आखिरी व्यक्ति तक पहुँच कर होती है।

(लेखक केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हैं।)

इस युद्ध ने तेल की मांग कम करने का सबक भी सिखाया

कैरोलीन किस्साने

ईरान युद्ध को कई कारणों से याद रखा जा सकता है, लेकिन इसका एक परिणाम ऐसा है, जिसकी अनदेखी नहीं की जा सकती। तेल आपूर्ति में आधुनिक इतिहास की सबसे बड़ी बाधा ने तेल की वैश्विक मांग कम करने को गति दे दी है। चार महीने पहले होर्मुज के प्रभावी रूप से बंद होने से वैश्विक ऊर्जा संकट पैदा हो गया। तेल की कीमतों में तेज उछाल आया, व्यापार-प्रवाह बाधित हुआ, सरकारें उपभोक्ताओं को महंगाई से बचाने के लिए सक्रिय हुईं और कारोबारों को खुद को समायोजित करना पड़ा। लेकिन एक और रुझान भी उभरा। देशों ने कम तेल के साथ जीवन जीने के लिए खुद को ढालना शुरू कर दिया है। ऊर्जा क्षेत्र को अपनी सबसे महत्वपूर्ण धारणाओं में से एक पर फिर से विचार करने के लिए मजबूर होना पड़ा है कि वैश्विक तेल की मांग लगातार बढ़ती ही रहेगी।

युद्ध से पहले, अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (आईईए) ने अनुमान लगाया था कि तेल की मांग 2024 से 2030 तक 2.5 मिलियन बैरल प्रतिदिन बढ़ेगी और दशक के अंत तक लगभग 105.5 मिलियन बैरल प्रतिदिन के स्तर पर पहुंचकर स्थिर हो जाएगी। बहस इस पर नहीं थी कि मांग बढ़ती रहेगी या नहीं, बल्कि इस पर थी कि वृद्धि कितनी तेजी से धीमी होगी।

अब आईईए का अनुमान है कि 2026 में तेल की वैश्विक मांग युद्ध से पहले लगाए अनुमान से लगभग 1.3 मिलियन बैरल प्रतिदिन कम होगी। इस गिरावट का कुछ हिस्सा कमजोर आर्थिक परिस्थितियों और ऊंची कीमतों को दर्शाता है, लेकिन शेष हिस्सा एडाप्टेशन है। सीमित आपूर्ति और अनिश्चितता का सामना करते हुए सरकारों और उद्योगों ने तेल पर निर्भरता कम करने के अपने प्रयासों को तेज कर दिया है। बाजारों ने भी उसी के अनुरूप प्रतिक्रिया दी है। हमलों की खबरों पर तेल की कीमतें बढ़ीं और कूटनीतिक वार्ताओं की खबरों पर गिरीं। वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट कच्चे तेल की कीमत जून के पहले सप्ताह के अंत में 90 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर रही, जबकि ब्रेंट क्रूड लगभग 93 डॉलर प्रति बैरल पर बंद हुआ।

हालांकि कीमतें युद्ध के दौरान दर्ज किए गए उच्चतम स्तर से नीचे आ गई हैं, फिर भी वे युद्ध-पूर्व स्तरों से अधिक बनी हुई हैं। युद्ध से पहले प्रतिदिन लगभग 125-140 जहाज होर्मुज से गुजरते थे। इस जलमार्ग को भरोसेमंद माना जाता था और लंबे समय तक किसी व्यवधान की संभावना को बेहद कम समझा जाता था। लेकिन होर्मुज बंद होने ने सरकारों तथा कंपनियों को ऊर्जा सुरक्षा से जुड़ी धारणाओं पर फिर से विचार करने के लिए मजबूर कर दिया है। अब भले ही यातायात फिर से शुरू हो जाए और होर्मुज से बारूदी सुरंगों को भी हटा दिया जाए, लेकिन पिछले चार महीनों के अनुभव को बदला नहीं जा सकता।

युद्ध से पहले चीन लगभग 1.1 करोड़ बैरल तेल प्रतिदिन आयात कर रहा था। इसके बाद से उसने अपने भंडारों का उपयोग करते हुए, रिफाइनरी संचालन में बदलाव करते हुए, कुछ पेट्रोकेमिकल कच्चे माल के लिए कोयले का विकल्प अपनाकर आयात में भारी कमी की है। कई विश्लेषकों के अनुसार, चीन की आयात कम करने की क्षमता उन प्रमुख कारणों में से एक रही है, जिनकी वजह से तेल की कीमतें उतनी ऊंचाई तक नहीं पहुंचीं, जितनी आशंका जताई जा रही थी। ध्यान रहे कि पिछले एक दशक में तेल की वैश्विक मांग-वृद्धि का सबसे बड़ा कारण भी चीन ही रहा है। 2015 से 2024 के बीच चीन की तेल मांग में लगभग 60 लाख बैरल प्रतिदिन की वृद्धि हुई, जो वैश्विक मांग वृद्धि का लगभग 60त्न थी। और केवल चीन ही ऐसा नहीं कर रहा है।

एशिया और दुनिया के अन्य हिस्सों की सरकारों ने भी तेजी से ऐसे कदम अपनाए हैं। चार दिन का कार्य-सप्ताह, घर से काम करने की नीतियां, एयर कंडीशनिंग पर प्रतिबंध, औद्योगिक राशनिंग, आपातकालीन सब्सिडी, करों में कटौती और कृषि इनपुट के लिए प्रत्यक्ष सहायता- ये सभी अब नीतिगत औजारों का हिस्सा बन गए हैं।

दुनिया के देशों ने कम तेल के साथ जीने के लिए खुद को ढालना शुरू कर दिया है। ऊर्जा क्षेत्र को अपनी सबसे महत्वपूर्ण धारणाओं में से एक पर फिर से विचार करने के लिए मजबूर होना पड़ा है कि तेल की मांग लगातार बढ़ती रहेगी।

अदालती फैसले के सामाजिक संकेतों को समझें

दिनेश भारद्वाज

कोर्ट ने समाज को सोच बदलने को इशारा किया है। घर की जीवन रेखा स्त्री का मूल्य उस दिन तय नहीं होना चाहिए जब उसकी कमी खले। वास्तव में उसका मूल्य को तभी से प्रतिष्ठा मिले, जब वह बिना पदनाम, वेतन और औपचारिक पहचान के घर को जीवंत करती हो।

कुछ फैसले अदालतों के रिकॉर्ड में दर्ज होकर खत्म नहीं होते। वे समाज की सोच में प्रवेश करते हैं और उन मान्यताओं को चुनौती देते हैं जिन्हें लंबे समय से सामान्य मान लिया गया हो। सुप्रीम कोर्ट का हालिया फैसला, जिसमें सड़क दुर्घटना में एक गृहिणी की मृत्यु के मामले में घरेलू श्रम के आर्थिक मूल्य को स्वीकार किया गया, ऐसा ही फैसला है। पहली नजर में यह मामला महज मुआवजे के निर्धारण का लग सकता है, लेकिन इसकी असली गूंज उससे कहीं आगे जाती है। यह उस सामाजिक सोच पर सवाल उठाता है, जिसने घर के भीतर होने वाले महिलाओं के श्रम को प्रतिष्ठा नहीं दी।

अदालत ने माना कि गृहिणी सही मायने में ‘होममेकर’ है। उसका श्रम उत्पादक है, उसका योगदान वास्तविक है और उसकी अनुपस्थिति का असर केवल भावनात्मक नहीं, आर्थिक और संरचनात्मक भी होता है। सवाल यह नहीं है कि अदालत ने घरेलू श्रम का आर्थिक मूल्य किस आधार पर तय किया। प्रश्न यह है कि जिस श्रम पर करोड़ों परिवार टिके हुए हैं, उसे श्रम मानने में हमें इतना समय क्यों लगा।

भारत में परिवार को एक संस्था के रूप में देखा गया है। उसकी स्थिरता, उसकी सामाजिक भूमिका और सांस्कृतिक महत्व पर लगातार बात होती रही है। लेकिन इस स्थिरता को बनाए रखने वाले श्रम पर उतनी गंभीर चर्चा नहीं हुई। घर चलाना केवल खाना बनाने तक सीमित नहीं होता। यह समय प्रबंधन, संसाधनों का संतुलन, बच्चों की परवरिश, बुजुर्गों की देखभाल, सामाजिक संबंधों का निर्वाह और परिवार की भावनात्मक संरचना को संभालने की निरंतर प्रक्रिया है। घर के भीतर होने वाला यह श्रम इसलिए अदृश्य हो जाता है क्योंकि वह बाजार के बाहर होता है। जिस काम के लिए बाहर किसी को नियुक्त किया जाए तो उसका भुगतान तय होता है, वही काम जब घर के भीतर किया जाता है तो उसे जिम्मेदारी, प्रेम या संस्कार का विस्तार मान लिया जाता है। यहां समाज को अपने भीतर झांकने की जरूरत है। हमारे यहां लंबे समय तक एक सामान्य वाक्य चलता रहा, ‘वह काम नहीं करती, घर संभालती है।’ कथन के भीतर एक गहरी सामाजिक संरचना छिपी है।

सम्मान और मूल्य एक चीज नहीं हैं। सम्मान भावनात्मक हो सकता है, लेकिन मूल्य सामाजिक स्वीकृति का आधार बनता है। जिस योगदान को मूल्य नहीं मिलता, धीरे-धीरे उसकी भूमिका को स्वाभाविक मान लिया जाता है। फिर उसके पीछे का श्रम, समय और कौशल दिखाई देना बंद हो जाता है। विडंबना यह है कि परिवार की पूरी व्यवस्था को संभालने वाला व्यक्ति अक्सर आर्थिक परिभाषाओं में ‘निर्भर’ माना जाता रहा। यह विरोधाभास सोच का भी है। सुप्रीम कोर्ट का फैसला इसी सोच को चुनौती देता है। निस्संदेह, अदालत के फैसले ने नुकसान की परिभाषा को नया अर्थ दिया।

अब तक जब किसी नौकरीपेशा व्यक्ति की मृत्यु होती थी तो उसकी आय को परिवार की आर्थिक क्षति का आधार माना जाता था। लेकिन गृहिणी की मृत्यु के मामलों में यह तर्क दिया जाता रहा है कि उसकी प्रत्यक्ष आय नहीं थी, इसलिए आर्थिक नुकसान सीमित माना जाता है। वास्तव में किसी होममेकर की अनुपस्थिति केवल एक सदस्य की अनुपस्थिति नहीं होती। उसके साथ घर की पूरी व्यवस्था प्रभावित होती है। बच्चों की दिनचर्या बदलती है, देखभाल की प्रणाली बदलती है, घरेलू खर्च का स्वरूप बदलता है और परिवार की कार्यक्षमता पर असर पड़ता है।

यह फैसला बताता है कि हर वह काम जो वेतन में नहीं बदलता, वह मूल्यहीन नहीं होता। हालांकि, इस फैसले को महिलाओं के लिए वेतन की बहस तक सीमित करना भी उचित नहीं होगा। आज जब अर्थव्यवस्था, उत्पादकता और कार्यबल भागीदारी जैसे विषय चर्चा में हैं, तब यह स्वीकार करना जरूरी है कि सामाजिक पुनरुत्पादन, यानी परिवार का निर्माण और संचालन भी किसी अर्थव्यवस्था की बुनियादी शर्त है।

घर मनुष्य निर्माण की पहली संस्था होता है। यदि उस संस्था को चलाने वाले श्रम को लगातार अदृश्य रखा जाएगा तो बराबरी और सम्मान पर आधारित समाज की कल्पना अधूरी रहेगी। यह फैसला समाज को संबोधित करता है कि क्या हम अपने घरों में श्रम की बराबरी को समझते हैं? इन प्रश्नों के उत्तर अदालत नहीं दे सकती। समाज को खुद तय करना होगा कि वह इस फैसले को केवल मुआवजे के मामले का निर्णय मानता है या अपने समय के एक महत्वपूर्ण सामाजिक संकेत की तरह पढ़ता है। क्योंकि किसी होममेकर का मूल्य उस दिन तय नहीं होना चाहिए जब उसकी अनुपस्थिति दर्ज की जाए। उसका मूल्य उस दिन पहचाना जाना चाहिए जब वह हर दिन बिना किसी पदनाम, वेतन और औपचारिक पहचान के घर को चलाने के लिए उपस्थित होती है।

किसी समाज की परिपक्वता इस बात से नहीं मापी जाती कि वह श्रम का कितना भुगतान करता है। यह फैसला उन महिलाओं के लिए सामाजिक स्वीकृति है, जिनकी उपस्थिति से घर केवल चलता नहीं बल्कि आकार लेता है। और शायद इसकी सबसे बड़ी शक्ति भी यही है। अदालत ने अपने हिस्से का निर्णय दे दिया है। अब समाज को अपने हिस्से का उत्तर देना है।

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाऐं
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
www.onlytds.com
सम्पर्क – शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544

श्रीकंचनपथ
भिलाई–दुर्ग

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन
के लिए
संपर्क करें
Mob.-:
9303289950
7987166110

प्रमुख खबरें

'आरंभ' की सांगठनिक बैठक एवं काव्य पाठ 21 को

भिलाई। प्रगतिशील जन–विचारधारा की साहित्यिक संस्था 'आरंभ' के तत्वावधान में आगामी 21 जून को सुबह 10.30 बजे से भिलाई निवास के इंडियन कॉफी हाउस के सभागार में सातवीं सांगठनिक बैठक एवं काव्य पाठ का आयोजन किया गया है। कार्यक्रम में 'स्वयंसिद्धा' की संस्थापक–अध्यक्ष डॉ. सोनाली चक्रवर्ती मोटिवेशनल स्पीकर के रूप में होंगी। कार्यक्रम के अध्यक्ष 'आरंभ' के मुख्य सलाहकार आचार्य डॉ. महेश चंद्र शर्मा एवं सांगठनिक बैठक की अध्यक्षता 'आरंभ' के मुख्य संरक्षक कैलाश जैन बरमेचा करेंगे। विशिष्ट अतिथि 'आरंभ' के वरिष्ठ उपाध्यक्ष कवि त्रयम्बक राव साटकर 'अंबर' होंगे। मुख्य संचालिका 'आरंभ' के महासचिव नूरुस्सबाह खान 'सबा', काव्य पाठ का संचालन संस्था की उपाध्यक्षा दीप्ति श्रीवास्तव और आभार व्यक्त 'आरंभ' के आजीवन संस्थापक सदस्य–कवि ब्रजेश मल्लिक करेंगे। प्रारंभ में अध्यक्ष प्रदीप भट्टाचार्य स्वागत उद्बोधन एवं संस्थापक आजीवन सदस्य ठाकुर दशरथ सिंह भुवाल सोनपांडर आयोजकीय वक्तव्य देंगे। इस अवसर पर नए बने सामान्य एवं आजीवन सदस्यों को संस्था की तरफसे सम्मानित किया जाएगा।

निगम आयुक्त ने घासीदास नगर क्षेत्र का किया निरीक्षण

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई के आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय ने जोन–2 वैशाली नगर क्षेत्र में चल रहे विभिन्न विकास एवं सफाई कार्यों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने निर्माणाधीन नाली, प्रस्तावित सड़क निर्माण स्थल, अटल आवास, स्थानीय नालों तथा बाजार क्षेत्र की सफाई व्यवस्था का विस्तृत जायजा लिया और अधिकारियों को स्वच्छता व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने के निर्देश दिए। आयुक्त ने भगवा चौक कुरूद से घासीदास नगर तक निर्माणाधीन नाली का निरीक्षण करते हुए निर्माण एजेंसी को कार्य में गुणवत्ता सुनिश्चित करने तथा कार्य को निर्धारित समय–सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने कहा कि नाली निर्माण पूर्ण होने के बाद सड़क निर्माण कार्य भी शीघ्र प्रारंभ किया जाए। निरीक्षण के दौरान आयुक्त ने क्षेत्रीय बाजार का भी अवलोकन किया और वहां नियमित सफाई व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने निगम द्वारा आवंटित गुमटी संचालकों को अपनी दुकानों के साथ–साथ आसपास के क्षेत्र में भी स्वच्छता बनाए रखने के निर्देश दिए। इसके अलावा, आयुक्त ने अटल आवास क्षेत्र का निरीक्षण करते हुए नाली एवं सड़क की नियमित सफाई कराने पर जोर दिया, ताकि जलभराव की समस्या न उत्पन्न हो। उन्होंने बुद्ध विहार के पीछे स्थित नालों की नियमित सफाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, जिससे बरसात के समय पानी भराव की स्थिति से बचा जा सके। निरीक्षण के दौरान पार्षद ऊषा शर्मा, कार्यपालन अभियंता अरविंद शर्मा, सहायक अभियंता श्वेता वर्मा, जोन स्वास्थ्य अधिकारी शंकर सहानी एवं स्वच्छता निरीक्षक अंजनी सिंह, निर्माण एजेंसी, जोनल एवं सुपरवाइजर उपस्थित रहे।

दुर्ग को मिलेगी सौगातः बनेगा अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले को जल्द ही एक नया अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम मिलने जा रहा है। जिले में खेल अधोसंरचना को मजबूत करने और स्थानीय खिलाड़ियों को ग्लोबल लेवल की सुविधाएं देने के लिए जिला क्रीड़ांगन समिति की बैठक में एक बड़ा फैसला लिया गया है। स्कूल शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव और कलेक्टर सह समिति अध्यक्ष अभिजीत सिंह की उपस्थिति में आयोजित इस बैठक में पंडित रविशंकर शुक्ल स्टेडियम परिसर में अंतर्राष्ट्रीय स्तर के क्रिकेट स्टेडियम निर्माण के प्रस्ताव को हरी झंडी दे दी गई है।

बैठक में तय प्रस्ताव के मुताबिक, वर्तमान परिसर में बने बैडमिंटन कोर्ट की जमीन को छोड़कर बाकी की पूरी भूमि छत्तीसगढ़ राज्य क्रिकेट संघ के माध्यम से भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड को सौंपने की तैयारी है।

इसके लिए भूमि को 33 वर्ष की अवधि की लीज पर देने का एक औपचारिक प्रस्ताव अंतिम मंजूरी के लिए राज्य शासन को भेजा जा रहा है।

परिसर के पुनर्विकास को गति देने के लिए समिति ने कड़े कदम उठाने का निर्णय लिया है। वर्तमान में पंडित रविशंकर शुक्ल स्टेडियम और मानस भवन की इमारतें अत्यंत जर्जर और अनुपयोगी हो चुकी हैं। इन्हें ढहाकर (अपलेखन कर) नई खेल संरचना के लिए खाली जमीन तैयार की जाएगी। स्टेडियम परिसर में संचालित हो रही व्यावसायिक दुकानों को अनुबंध की शर्तों के तहत एक महीने का नोटिस देकर खाली कराया जाएगा। दुकानदारों की सुरक्षा निधि (सिक्योरिटी डिपॉजिट) का नियमानुसार समायोजन और भुगतान किया जाएगा। प्रस्तावित स्टेडियम के निर्माण में आड़े आ रहे सभी तरह के स्थायी और अस्थायी अतिक्रमणों और अवरोधों को नियमानुसार हटाने की कार्रवाई की जाएगी।

वित्तीय प्रबंधन और प्रशासनिक नोडल अधिकारी तयः स्टेडियम निर्माण और प्रशासनिक समन्वय को सुचारू रूप से चलाने के लिए महत्वपूर्ण नियुक्तियां की गई हैं। वित्तीय प्रबंधन को पारदर्शी और मजबूत बनाने के लिए जिला कोषालय अधिकारी को समिति का कोषाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। जर्जर भवनों के अपलेखन, बीसीसीआई/छत्तीसगढ़ राज्य क्रिकेट संघ से तालमेल और निर्माण संबंधी विभागीय कार्यों के लिए लोक निर्माण विभाग के कार्यपालन अभियंता को नोडल अधिकारी की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

बैडमिंटन कोर्ट का होगा विस्तार

डिस्ट्रिक्ट मिनरल फाउंडेशन मद से निर्मित अत्याधुनिक बैडमिंटन कोर्ट के रखरखाव, बेहतर संचालन और खेल गतिविधियों के विस्तार के लिए इसे अब पूर्ण रूप से जिला क्रीड़ांगन समिति को हस्तांतरित करने पर सहमति बन गई है।

दुर्ग बनेगा छत्तीसगढ़ का नया स्पोर्ट्स हब

इस ऐतिहासिक फैसले पर खुशी जताते हुए स्कूल शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम के निर्माण से दुर्ग जिला छत्तीसगढ़ ही नहीं, बल्कि देश के प्रमुख खेल केंद्रों में शुमार हो जाएगा। इससे हमारे स्थानीय खिलाड़ियों को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर की आधुनिक सुविधाएं अपने घर पर ही मिल सकेंगी।

आईटीआई बेरला के प्रशिक्षुओं हेतु औद्योगिक प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। सेल– भिलाई इस्पात संयंत्र के मानव संसाधन– ज्ञानार्जन एवं विकास (एचआर–एल एंड डी) विभाग द्वारा शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई), बेरला, जिला बेमेतरा के मैकेनिक डीजल ट्रेड के 28 प्रशिक्षुओं के लिए औद्योगिक प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम शैक्षणिक सत्र 2025–26 के लिए महानिदेशालय प्रशिक्षण (डीजीटी), नई दिल्ली द्वारा निर्धारित पाठ्यक्रम एवं दिशा–निर्देशों के अनुरूप आयोजित किया जा रहा है।

इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य प्रशिक्षुओं को एकीकृत इस्पात संयंत्र के कार्य परिवेश से परिचित कराते हुए उन्हें औद्योगिक प्रक्रियाओं का व्यावहारिक अनुभव प्रदान करना है। आईटीआई पाठ्यक्रम के अनिवार्य ऑन–द–जॉब प्रशिक्षण (ओजेटी) घटक के अंतर्गत

आयोजित यह कार्यक्रम कक्षा आधारित शिक्षा एवं वास्तविक औद्योगिक कार्यप्रणाली के मध्य समन्वय स्थापित करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है।

कार्यक्रम की शुरुआत एचआर–एल एंड डी विभाग द्वारा आयोजित व्यापक इंडक्शन सत्र से हुई। इस दौरान प्रशिक्षुओं को एकीकृत इस्पात संयंत्र की कार्यप्रणाली, औद्योगिक एवं कार्यस्थल सुरक्षा, व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरणों (पीपीई) के उपयोग, संगठनात्मक कार्य संस्कृति एवं अनुशासन, कच्चा माल प्रबंधन, आयरन मेकिंग, स्टील मेकिंग, रोलिंग मिल संचालन तथा सेवा क्षेत्र की गतिविधियों से अवगत कराया गया। इंडक्शन कार्यक्रम के उपरांत प्रशिक्षुओं को संयंत्र के विभिन्न परिचालन क्षेत्रों का अवलोकन कराने के साथ–साथ पर्यवेक्षण में व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रशिक्षुओं की तकनीकी दक्षता, व्यावहारिक कौशल तथा औद्योगिक कार्यों के प्रति उनकी समझ को विकसित करने में सहायक होगा। आधुनिक इस्पात उत्पादन प्रक्रियाओं एवं औद्योगिक सर्वोत्तम प्रथाओं के प्रत्यक्ष अनुभव से प्रशिक्षुओं की उद्योग के लिए तत्परता और अधिक सुदृढ़ होगी।

यह कार्यक्रम महाप्रबंधक प्रभारी (मानव संसाधन– ज्ञानार्जन एवं विकास) संजीव कुमार श्रीवास्तव के मार्गदर्शन में उप महाप्रबंधक (मानव संसाधन– ज्ञानार्जन एवं विकास) यशवंत सिंह जौहरी, सेक्शन ऑफिसर (मानव संसाधन– ज्ञानार्जन एवं विकास) स्वतंत्र कुमार तथा टेक्निकल एसोसिएट (मानव संसाधन– ज्ञानार्जन एवं विकास) मनीष कुमार द्वारा समन्वित किया जा रहा है।

मानव संसाधन– ज्ञानार्जन एवं विकास विभाग के अधिकारियों ने बताया कि इस प्रकार की पहलें युवाओं को उन्नत विनिर्माण प्रक्रियाओं एवं औद्योगिक कार्य प्रणालियों का व्यवहारिक अनुभव प्रदान कर उद्योग के लिए कुशल मानव संसाधन तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

पीएम स्वनिधि योजना अंतर्गत विशेष शिविर का आयोजन

भिलाई। दिनांक 16.06.2026 को शासन के निर्देशानुसार पीएम स्वनिधि योजना के अंतर्गत नगर पालिक निगम भिलाई द्वारा फुटकर विक्रेताओं (स्ट्रीट वेंडर्स) के लिए विशेष शिविर आयोजित किया गया। शिविर में सभी पात्र हितग्राहियों को नगर निगम कार्यालय में आमंत्रित कर योजना का लाभ दिलाने हेतु उनके ऑनलाइन आवेदन पोर्टल में भरवाए गए।

शिविर में बड़ी संख्या में स्ट्रीट वेंडर्स उपस्थित हुए तथा योजना के प्रति उत्साह दिखाया। नगर पालिका निगम भिलाई के आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय जी के कुशल मार्गदर्शन एवं दिशा–निर्देशन में निगम की टीम द्वारा अधिक से अधिक पात्र हितग्राहियों को योजना से जोड़ने का कार्य लगातार किया जा रहा है। इस संबंध में नोडल अधिकारी अनिल सिंह द्वारा सभी बैंकों के शाखा प्रबंधकों को पत्र प्रेषित कर पात्र हितग्राहियों को योजना का लाभ शीघ्र एवं अधिकतम संख्या में प्रदान करने हेतु आवश्यक सहयोग एवं प्राथमिकता देने का अनुरोध किया गया है। योजना के व्यापक प्रचार–प्रसार हेतु नगर निगम द्वारा मुनादी एवं अन्य प्रचार माध्यमों के जरिए निगम क्षेत्र में प्रतिदिन जनजागरूकता अभियान संचालित किया जा रहा है, नगर पालिका निगम भिलाई द्वारा आगामी दिनों में भी ऐसे शिविरों का आयोजन कर पात्र हितग्राहियों को योजना से जोड़ने का कार्य निरंतर जारी रखा जाएगा।

नाली पर किए गए अवैध अतिक्रमण पर निगम की कार्रवाई, जेसीबी से हटाया गया निर्माण

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई द्वारा अवैध अतिक्रमण के खिलाफलगातार कार्रवाई जारी है। इसी क्रम में जोन–2 वैशाली नगर क्षेत्र अंतर्गत वार्ड क्रमांक 24 हाउसिंग बोर्ड फौजी नगर में नाली के ऊपर किए गए अवैध अतिक्रमण को हटाने की कार्रवाई की गई।

निगम आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय से प्राप्त जानकारी के अनुसार स्थानीय निवासी राजकुमार द्वारा नाली के ऊपर अवैध निर्माण कर अतिक्रमण किया गया था। इसके कारण नालियों की नियमित सफाई एवं रखरखाव कार्य प्रभावित हो रहा था, जिससे क्षेत्र में जल निकासी व्यवस्था बाधित होने की आशंका बनी हुई थी। मामले की शिकायत कलेक्टर जनदर्शन में की गई थी। शिकायत प्राप्त होने के बाद जोन–2 राजस्व विभाग द्वारा जांच कर कार्रवाई की गई। निगम की टीम ने जेसीबी मशीन की सहायता से नाली के ऊपर किए गए अवैध अतिक्रमण को हटाकर नाली को अतिक्रमण मुक्त कराया। राजस्व अधिकारी ने बताया कि नालियों एवं सार्वजनिक स्थलों पर किए गए अवैध कब्जों के कारण सफाई व्यवस्था प्रभावित होती है तथा बरसात के दौरान जलभराव जैसी समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। इसे देखते हुए ऐसे अतिक्रमणों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा रही है। कार्रवाई के दौरान जोन–2 राजस्व विभाग एवं बेदखली की संयुक्त टीम मौजूद रही।

रक्तदान के लिए निस्वार्थ सेवा भाव और श्री साईनाथ जनसेवा समिति का हुआ सम्मान

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। विश्व रक्तदाता दिवस के अवसर पर कर्मा भवन, सुपेला में आयोजित मेगा रक्तदान शिविर एवं सम्मान समारोह में निस्वार्थ सेवा भाव समिति और श्री साईनाथ जनसेवा समिति का सम्मान किया गया। सांसद विजय बघेल ने इन समितियों का सम्मान करते हुए इनके उत्कृष्ट योगदान की सराहना की।

निस्वार्थ सेवा भाव समिति के अध्यक्ष दीपक कुमार और जेडी खान सहित अन्य सदस्यों ने सांसद बघेल से यह सम्मान प्राप्त किया। इसी तरह श्री साईं नाथ जन सेवा समिति की ओर से अध्यक्ष जी. माधव राव एवं सलाहकार वाय. राजेंद्र राव ने प्राप्त किया।

इन संस्थाओं को समाज सेवा एवं निस्वार्थ जनकल्याणकारी कार्यों के लिए विश्व रक्तदाता दिवस के शुभ अवसर पर रेड ड्रॉप फ्रेंड्स क्लब द्वारा सम्मानित किया गया। निस्वार्थ सेवा भाव समिति के जेडी खान ने सम्मान के प्रति आभार जताते हुए कहा कि यह सम्मान समिति के लिए

गर्व का अवसर है। इससे मानव सेवा और रक्तदान के क्षेत्र में निरंतर कार्य करने की प्रेरणा मिली है। जेडी खान ने कहा कि यह सम्मान केवल समिति का नहीं, बल्कि उन सभी रक्तदाताओं और सेवाभावी साथियों का है, जो किसी अनजान की जिंदगी बचाने के लिए हमेशा आगे रहते हैं।

श्री साईं नाथ जन सेवा समिति के अध्यक्ष जी. माधव राव ने बताया कि उनकी संस्था निरंतर समाज हित में विभिन्न सेवा कार्यों के साथ–साथ रक्तदान के क्षेत्र में भी सक्रिय रूप से कार्य कर रही है तथा आम जनमानस को रक्तदान के प्रति जागरूक करने का अभियान निरंतर चला रही है। श्री राव ने इस सम्मान के लिए रेड ड्रॉप फ्रेंड्स क्लब के अध्यक्ष सूरज साहू के प्रति आभार व्यक्त किया है।

बीती बातों से जूझने के बजाए बुजुर्ग नए विचारों को खुले मन से स्वीकारें: चिरंजीव जैन

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। वरिष्ठ नागरिक महासंघ (भिलाई) की प्रबंधकारिणी समिति द्वारा अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दुर्व्यवहार निवारण दिवस के अवसर पर 15 जून को जन जागरण समारोह का आयोजन सियान सदन, वार्ड– 15, शांति नगर, भिलाई में किया गया। इस अवसर पर मुख्य वक्ता के तौर पर अखिल भारतीय पंवार क्षत्रिय समाज भिलाई के अध्यक्ष नंदलाल चौधरी और सर्टिफाइड पैरेंटिंग कोच चिरंजीव जैन उपस्थित थे।

वहीं आयोजन की अध्यक्षता वार्ड–15 के पार्षद संतोष मौर्य ने की। आरंभ में अध्यक्ष गजानंद साहू महासचिव महेन्द्र कुमार सोनवानी और कोषाध्यक्ष राजेश कुमार पदमवार ने अतिथियों का स्वागत किया। महासचिव श्री सोनवानी ने अपने स्वागत भाषण में कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की।

इस अवसर पर अपने उद्बोधन में इस अवसर पर अखिल भारतीय पंवार क्षत्रिय समाज भिलाई के अध्यक्ष नंदलाल चौधरी ने कहा कि आज हम सब मोबाइल, इंटरनेट और सोशल मीडिया की दुनिया में खो गए हैं। हम रील्स देखने में घंटों बिता देते हैं, लेकिन घर के बुजुर्गों के पास 5 मिनट बैठने का समय हमारे पास नहीं होता। आज के इस डिजिटल दौर में बुजुर्गों के साथ दुर्व्यवहार का रूप भी बदल गया है।

उन्हें डिजिटल दुनिया से अलग–थलग छोड़ देना भी एक तरह का दुर्व्यवहार है। आजकल ठग हमारे भोले–भाले बुजुर्गों को फोन पर ओटीपी या बैंक के नाम पर ठग लेते हैं। यह भी उनके साथ एक बड़ा अपराध है। उन्होंने कहा कि आज से हम यह संकल्प लें कि रोज कम से कम 10 से 15 मिनट अपने घर के बुजुर्गों के साथ बैठेंगे। उनसे बातें करेंगे, उनके पुराने किस्से सुनेंगे। चौधरी ने कहा कि आपकी थोड़ी सी बातचीत इन बुजुर्गों का अकेलापन दूर कर देगी।

आयोजन में सर्टिफाइड पैरेंटिंग कोच चिरंजीव जैन ने कहा कि हमारे बुजुर्ग सिर्फ उम्र में बड़े नहीं , हमारे परिवार की नींव भी हैं। वे तजुर्बे का वो समंदर हैं, जिससे हमारा आज का जीवन संवरा है। लेकिन आज बड़े दुख के साथ कहना पड़ता है कि बदलते वक्त में हमारे बुजुर्ग अकेले पड़ रहे हैं। कई जगहों पर उनके साथ दुर्व्यवहार, यानी गलत व्यवहार की खबरें आती हैं।

श्री जैन ने कहा कि जिस तरह सांस लेना और भोजन करना स्वाभाविक प्रक्रिया है, ठीक उसी तरह नए विचार आना भी हमारे जीवन में सकारात्मकता का प्रतीक है। आज बुजुर्गों के लिए सबसे उत्तम अवस्था वही है कि हम विचारों को लेकर जूझते न रहें बल्कि नए विचारों को अपने मन मस्तिष्क में आने दें। हमें बीती बातों से उबरना होगा और शेष जीवन हमें धैर्यपूर्वक नए विचारों के साथ जीना होगा।

श्री जैन ने कहा कि ज्यादातर वृद्धजनों की शिकायतें अपने बच्चों को लेकर होती है। इसमें हमें ध्यान देना होगा कि हमने अपने बच्चों को कैसी परवरिश दी है, वही हमे वापस मिल रहा है। इसलिए दोषारोपण करने के बजाए सकारात्मक रहना आज की पहली जरूरत है।

आयोजन की अध्यक्षता कर रहे वार्ड–15 के पार्षद संतोष मौर्य ने कहा कि जैसे हमारे बड़ों ने बचपन में हमें उंगली पकड़कर चलना सिखाया, वैसे ही आज हमारा फर्ज है कि हम अपने बुजुर्गों को बदलते दौर के अनुरूप अपडेट रखें। उन्हें हम स्मार्टफोन चलाना सिखाएं। उन्हें सिखाएं कि ऑनलाइन धोखाधड़ी से कैसे बचना है। हम अपने बुजुर्गों को पूरा आदर दें और उनकी सुरक्षा की पूरी गारंटी लें। इससे हम एक खुशहाल समाज बनाने में सहायक होंगे। अंत में आयोजन समिति की ओर से अतिथियों को स्मृति चिन्ह भेंट कर उनका सम्मान किया गया।

Since 1972
CROWN-TV®
Choice Of Millions
LED / Washing Machine
Cooler / Fridge
Available All Size

CONTACT :
Atlas Radio Traders (Crown)
Sect.-3, D-48, Ward No. 13
Devendra Nagar, Raipur (C.G.) 492009
Near Akash Gas Agency Line
Mob.: 98262 52372

खास-खबर

शासन द्वारा रिडेवलपमेंट योजना अंतर्गत कुल पांच परियोजनाओं का टेंडर जारी

रायपुर। छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल राज्य के विभिन्न शहरों में पाँच प्रमुख रिडेवलपमेंट परियोजनाओं की शुरुआत करने जा रहा है। यह पहल छत्तीसगढ़ शासन द्वारा शहरी विकास, शासकीय परिसंपत्तियों के बेहतर उपयोग तथा आधुनिक नागरिक सुविधाओं के विस्तार की दिशा में उठाया गया एक महत्वपूर्ण कदम है। इन परियोजनाओं का विकास राज्य की रिडेवलपमेंट नीति के तहत किया जाएगा। इसके लिए आवास एवं पर्यावरण विभाग को नोडल विभाग तथा छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल को क्रियान्वयन एजेंसी की जिम्मेदारी सौंपी गई है। रिडेवलपमेंट परियोजनाओं के लिए मंडल द्वारा प्रिलिमिनरी प्रोजेक्ट रिपोर्ट एवं विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन तैयार किए गए हैं। साथ ही निजी डेवलपर्स के चयन हेतु पारदर्शी निविदा प्रक्रिया तथा परियोजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन की व्यवस्था की गई है। मंत्रिपरिषद द्वारा प्रस्तावित परियोजनाओं को सैद्धांतिक स्वीकृति प्रदान की जा चुकी है।

प्रधानमंत्री आवास योजना से बदली ग्रामीण परिवारों की तस्वीर

रायपुर। प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) राज्य के हजारों जरूरतमंद परिवारों के जीवन में सकारात्मक बदलाव ला रही है। योजना के माध्यम से आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को सुरक्षित और सम्मानजनक आवास उपलब्ध हो रहे हैं, जिससे उनका जीवन स्तर बेहतर हुआ है। बलरामपुर-रामानुजगंज जिले के ग्राम पंचायत कंजिया निवासी राधेश्याम सिंह इसकी एक प्रेरणादायक मिसाल हैं। राधेश्याम सिंह बताते हैं कि कुछ वर्ष पहले तक उनका परिवार कच्चे मकान में रहने को विवश था। बरसात के दिनों में घर की जर्जर स्थिति के कारण परिवार को लगातार असुरक्षा और कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। सीमित आय और आर्थिक तंगी के कारण पक्का मकान बनवाना उनके लिए संभव नहीं था।

बाल सक्षम नीति 2022 के तहत प्रदेशभर में विशेष अभियान तेज

रायपुर। बाल सक्षम नीति 2022 के प्रभावी क्रियान्वयन के तहत प्रदेशभर में 1 जून से 30 जून 2026 तक सड़क जैसी परिस्थितियों में जीवनयापन कर रहे बच्चों के स्थायी रेस्क्यू एवं पुनर्वास के लिए विशेष अभियान संचालित किया जा रहा है। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व एवं महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े के मार्गदर्शन में बच्चों की सुरक्षा, संरक्षण और पुनर्वास को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए यह अभियान राज्यभर में व्यापक स्तर पर चलाया जा रहा है। महिला एवं बाल विकास विभाग, जिला प्रशासन, पुलिस विभाग, श्रम विभाग, जिला बाल संरक्षण इकाइयों तथा चाइल्ड हेल्पलाइन की संयुक्त टीमों द्वारा विभिन्न जिलों में जनजागरूकता और रेस्क्यू गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी, मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर, सारंगढ़-बिलाईगढ़, बलरामपुर-रामानुजगंज तथा गौरेला-पेंड्रा-मरवाही सहित विभिन्न जिलों में बस स्टैंड, बाजार, चौक-चौराहों, होटल, ढाबों, कबाड़ी दुकानों, लॉज, पेट्रोल पंप, निर्माण स्थलों तथा अन्य सार्वजनिक स्थानों पर विशेष अभियान चलाया गया।

मुख्यमंत्री साय की घोषणा पर त्वरित अमल, ग्रामीणों की मांगों को मिली स्वीकृति

सुशासन तिहार में किए गए वादे हो रहे पूरे, पंचायत भवन पीडीएस भवन और मुक्तिधाम निर्माण को मिली मंजूरी

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में आयोजित सुशासन तिहार केवल जनसंवाद का मंच नहीं, बल्कि जनआकांक्षाओं को शीघ्रता से पूरा करने का प्रभावी माध्यम बनकर उभरा है। आम नागरिकों की समस्याओं और मांगों के त्वरित निराकरण के लिए राज्य शासन एवं जिला प्रशासन द्वारा लगातार संवेदनशीलता और तत्परता के साथ कार्य किया जा रहा है। इसी कड़ी में मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय द्वारा सरगुजा प्रवास के दौरान ग्रामीणों की मांगों पर की गई घोषणाओं को शीघ्र स्वीकृति प्रदान कर अमल में लाया गया है।

उल्लेखनीय है कि 03 मई 2026 को मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय सुशासन तिहार के अंतर्गत सरगुजा जिले के बतौली विकासखंड स्थित ग्राम पंचायत सिलमा के शांतिपारा पहुंचे थे। जन चौपाल में ग्रामीणों से सीधे संवाद करते हुए उन्होंने क्षेत्र की आवश्यकताओं और समस्याओं की जानकारी ली तथा विभिन्न विकास कार्यों की घोषणाएं की थीं।

मुख्यमंत्री की घोषणाओं के अनुरूप जिला प्रशासन ने त्वरित कार्रवाई करते हुए विभिन्न निर्माण कार्यों को स्वीकृति प्रदान की है। ग्राम सिलमा में डीएमएफ एवं मनरेगा के अभिसरण से 18.30 लाख रुपये की लागत से नवीन पंचायत भवन, डीएमएफ मद से 2.50 लाख रुपये की लागत से मुक्तिधाम तथा मनरेगा मद से 11.63 लाख रुपये की लागत से नवीन पीडीएस भवन निर्माण को मंजूरी दी गई है। इसी प्रकार ग्राम कुनकुरीकला में डीएमएफ एवं मनरेगा के अभिसरण से 18.30 लाख रुपये की लागत से नवीन पंचायत भवन निर्माण की स्वीकृति प्रदान की गई है।

ग्रामीणों ने मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की घोषणाओं पर त्वरित अमल के लिए प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उनका आभार जताया है। उनका कहना है कि सुशासन तिहार के माध्यम से शासन और प्रशासन सीधे जनता तक पहुंचकर न केवल समस्याएं सुन रहा है, बल्कि उनके समाधान के लिए समयबद्ध कार्रवाई भी सुनिश्चित कर रहा है। राज्य शासन की मंशा के अनुरूप जिला प्रशासन द्वारा सुशासन तिहार के दौरान प्राप्त मांगों और जनसमस्याओं के निराकरण के लिए लगातार प्रभावी कदम उठाए जा रहे हैं, जिससे विकास कार्यों का लाभ समय पर आमजन तक पहुंच रहा है और सुशासन की अवधारणा जमीनी स्तर पर साकार हो रही है।

शिक्षा के साथ संस्कारों का समावेश हमारी प्राथमिकता

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से राजधानी रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास में दक्षिण कौशल पीठाधीश्वर स्वामी राजीव लोचन दास जी महाराज, निर्वाणी अखाड़ा के महंत सुरेंद्र दास महाराज, शदाणी दरबार से उदय लाल जी तथा कबीर आश्रम सोनपैरी के देवकर साहब जी ने सौजन्य भेंट की। इस अवसर पर संत-महात्माओं ने छत्तीसगढ़ के विद्यालयों में भारतीय संस्कृति, आध्यात्मिक मूल्यों एवं नैतिक शिक्षा से जुड़े पारंपरिक श्लोकों और मंत्रों को पुनः शामिल किए जाने के निर्णय का स्वागत करते हुए मुख्यमंत्री साय के प्रति आभार व्यक्त किया। संतों ने कहा कि पूर्व में विद्यालयों में विद्यार्थियों को गुरु ब्रह्मा, गुरु विष्णु, गुरु देवो महेश्वर जैसे मंत्रों एवं भारतीय सांस्कृतिक परंपराओं से परिचित कराया जाता था, जिससे बच्चों में संस्कार, अनुशासन और नैतिक मूल्यों का विकास होता था। समय के साथ ये परंपराएं शैक्षणिक वातावरण से धीरे-धीरे विलुप्त होती गईं, किंतु अब राज्य सरकार द्वारा इन्हें पुनः स्थापित करने की पहल अत्यंत स्वागतयोग्य है। संत समाज ने कहा कि विद्यालयों में शांतिपाठ, सरस्वती वंदना, भोजन मंत्र तथा अन्य प्रेरणादायी वैदिक एवं सांस्कृतिक प्रार्थनाओं का समावेश बच्चों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इससे नई पीढ़ी भारतीय ज्ञान परंपरा, संस्कृति और नैतिक मूल्यों से जुड़ सकेगी। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि शिक्षा केवल ज्ञान अर्जित करने का माध्यम नहीं, बल्कि संस्कार, चरित्र निर्माण और जीवन मूल्यों के विकास का आधार भी है। हमारी सरकार बच्चों को आधुनिक शिक्षा के साथ-साथ भारतीय संस्कृति, परंपराओं और आध्यात्मिक मूल्यों से जोड़ने के लिए प्रतिबद्ध है। विद्यालयों में शांतिपाठ, सरस्वती वंदना, भोजन मंत्र एवं अन्य प्रेरणादायी प्रार्थनाओं के समावेश से विद्यार्थियों में अनुशासन, सकारात्मक सोच, आत्मविश्वास और सांस्कृतिक चेतना का विकास होगा।

हर बच्चे तक बेहतर शिक्षा और सुविधाएं पहुंचाना सरकार की प्राथमिकता : अरुण साव

तिलक लगाकर नवप्रवेशी बच्चों का किया स्वागत, स्कूल के लिए 5 लाख देने की घोषणा की

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने मुंगेली जिले के लोरमी विकासखंड के ग्राम बिजराकछार स्थित शासकीय प्राथमिक एवं पूर्व माध्यमिक शाला में आयोजित विकासखंड स्तरीय शाला प्रवेश उत्सव में शामिल होकर नवप्रवेशी विद्यार्थियों का तिलक लगाकर आत्मीय स्वागत किया।

उत्साह, उमंग और हर्षोल्लास के वातावरण में आयोजित कार्यक्रम में बच्चों, अभिभावकों और शिक्षकों ने बढ़-चढ़कर सहभागिता की। उप मुख्यमंत्री श्री साव ने शाला प्रवेश उत्सव में विद्यार्थियों को निःशुल्क शाला गणवेश एवं पाठ्य पुस्तकों सहित अन्य सामग्रियों का

वितरण किया। उन्होंने नवप्रवेशी बच्चों का गुलाल लगाकर स्वागत किया और मिठाई खिलाकर उनके विद्यार्थी जीवन की शुरूआत को यादगार बनाया।

उप मुख्यमंत्री साव ने कार्यक्रम में विद्यालय में बुनियादी सुविधाओं के विस्तार के लिए महत्वपूर्ण घोषणा करते हुए शासकीय विद्यालय बिजराकछार में किचन शेड एवं रंगमंच निर्माण के लिए 5 लाख रुपये देने की घोषणा की। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि प्रदेश सरकार बच्चों के सर्वांगीण विकास और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। बेहतर शैक्षणिक वातावरण और आधुनिक सुविधाओं के माध्यम से प्रदेश के बच्चे अपने सपनों को साकार कर सकेंगे तथा भविष्य में देश व समाज के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

श्री साव ने विद्यार्थियों को नियमित अध्ययन, अनुशासन और मेहनत के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हुए कहा कि शिक्षा ही जीवन में सफलता का सबसे मजबूत आधार है। शासन द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में लगातार नवाचार और सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है, ताकि कोई भी बच्चा शिक्षा से वंचित न रहे। शाला प्रवेश उत्सव में स्कूल के प्राचार्य, शिक्षकगण, जनप्रतिनिधि, अभिभावक एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

चिरायु योजना बनी उम्मीद की नई किरण

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम (चिरायु) के अंतर्गत जिला चिकित्सालय जशपुर में आयोजित विशेष स्वास्थ्य शिविर जन्मजात हृदय रोग से जूझ रहे बच्चों और उनके परिवारों के लिए नई उम्मीद लेकर आया। एक दिवसीय इस शिविर में जिले के विभिन्न विकासखंडों से आए 74 बच्चों की विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा निःशुल्क जांच की गई, जिनमें से 50 बच्चों को हृदय सर्जरी की आवश्यकता वाले मरीजों के रूप में चिन्हित किया गया है। इन सभी बच्चों की सर्जरी और उपचार अब पूरी तरह निःशुल्क किया जाएगा।

यह शिविर चिरायु योजना तथा एसईसीएल के कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) प्रोजेक्ट 'धड़कन' के अंतर्गत संपन्न हुआ। शिविर में रायपुर स्थित सत्य साईं संजीवनी हॉस्पिटल के हृदय रोग विशेषज्ञों की टीम ने बच्चों की स्क्रीनिंग और ईकोकार्डियोग्राफी

जांच की। शिविर का शुभारंभ जशपुर विधायक रायमुनी भगत ने किया। इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष अरविंद भगत, नगर पालिका सदस्य राजू गुप्ता, सुश्री रागिनी भगत सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक श्रीमती रायमुनी भगत ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार स्वास्थ्य सेवाओं को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि जन्मजात हृदय रोग से पीड़ित बच्चों के लिए यह शिविर किसी वरदान से कम नहीं है। आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को निःशुल्क जांच और सर्जरी की सुविधा उपलब्ध कराना शासन की संवेदनशील सोच का परिचायक है। उन्होंने कहा कि स्वस्थ बच्चे ही स्वस्थ समाज और सशक्त राष्ट्र की नींव होते हैं।

शिविर में शामिल कई अभिभावकों ने बताया कि महंगे उपचार के कारण वे अपने बच्चों का इलाज नहीं करा पा रहे थे। अब शासन की पहल से उन्हें बड़ी राहत मिली है और बच्चों के स्वस्थ भविष्य की उम्मीद जगी है। अभिभावकों ने राज्य सरकार, स्वास्थ्य विभाग तथा आयोजन से जुड़े सभी संस्थानों के प्रति आभार व्यक्त किया।

लोकभवन में अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए एआई प्रशिक्षण सत्र आयोजित

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। लोकभवन में अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आधुनिक तकनीक से अवगत कराने तथा शासकीय कार्यों में नवाचार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से **Artificial Intelligence (AI)** संबंधी प्रशिक्षण सत्र का आयोजन कॉन्फ्रेंस हॉल में किया गया। प्रशिक्षण सत्र का आयोजन अवर सचिव श्री अनुभव शर्मा के नेतृत्व में किया गया। इस दौरान अधिकारियों एवं कर्मचारियों को ,ढ्व की कार्यप्रणाली, उपयोगिता तथा विभिन्न क्षेत्रों में इसके प्रभावी इस्तेमाल से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां प्रदान की गईं।

सत्र में एआई के माध्यम से कार्यों को अधिक सरल, प्रभावी एवं समयबद्ध बनाने के तरीकों पर प्रकाश डाला गया। उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने प्रशिक्षण में उत्साहपूर्वक भाग लेकर आधुनिक तकनीक की उपयोगी जानकारी प्राप्त की।

कार्यक्रम का उद्देश्य शासकीय कार्यप्रणाली में नई तकनीकों के उपयोग को बढ़ावा देना तथा अधिकारियों-कर्मचारियों को डिजिटल दक्षताओं से सशक्त बनाना रहा। इस अवसर पर राज्यपाल के विधिक सलाहकार सत्यभामा अजय दुबे, उप सचिव निधि साहू, सुधीर सुलतानिया, लक्षित त्रिलोक सेठिया अनूप अग्रवाल एवं लोकभवन के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

प्राकृतिक खेती अपनाकर किसान अपनी बढ़ाएं आय और बचाएं मिट्टी की उर्वरता

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। प्राकृतिक खेती रासायनिक खादों और कीटनाशकों पर निर्भरता को कम करती है, जिससे खेती की लागत में कमी आती है और किसानों की शुद्ध आय बढ़ती है। साथ ही, यह मिट्टी की जैविक विविधता और उर्वरता को पुनर्जीवित करती है, जिससे आने वाली पीढ़ियों के लिए कृषि को टिकाऊ और सुरक्षित बनाया जा सकता है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के निर्देशानुसार संचालित ष्खेत बचाओ अभियानष् के तहत कृषि विज्ञान केंद्र, नारायणपुर एवं कृषि विभाग के संयुक्त तत्वावधान में एक दिवसीय प्राकृतिक खेती कार्यशाला एवं कृषि प्रदर्शनी का

आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में किसानों, कृषि वैज्ञानिकों, जनप्रतिनिधियों और ग्रामीण नागरिकों ने भाग लिया।

एक दिवसीय प्राकृतिक खेती कार्यशाला एवं कृषि प्रदर्शनी के अवसर पर कृषि, उद्यानिकी, पशुधन विकास, मत्स्य, रेशम विभाग, कृषि महाविद्यालय तथा अन्य संस्थाओं द्वारा प्राकृतिक एवं जैविक खेती, कृषि नवाचार और आजीविका संवर्धन से संबंधित प्रदर्शनी लगाई गई। अतिथियों ने विभिन्न स्टॉलों का अवलोकन कर किसानों से संवाद किया और नई तकनीकों की जानकारी प्राप्त की।

कार्यक्रम में वन एवं जलवायु परिवर्तन तथा जिले के प्रभारी मंत्री श्री केदार कश्यप ने किसानों को हल्दी की उन्नत किस्म के प्रकंद, रागी बीज एवं प्राकृतिक खेती में उपयोगी सामग्री का वितरण किया।

जिले का नाम राष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित करने वाले प्रगतिशील किसानों को भी सम्मानित किया गया। मिलियनेयर कृषक अवार्ड से सम्मानित चैतूराम यादव एवं नीलकंठ नाग, बेस्ट फार्मर इन इंटीग्रेटेड फार्मिंग सिस्टम अवार्ड प्राप्त सुरेन्द्र नाग तथा राज्यपाल सम्मान से सम्मानित श्रीमती गीता नाग को विशेष रूप से सम्मानित किया गया।

मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि किसानों से रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों के अत्यधिक उपयोग को कम कर प्राकृतिक एवं जैविक खेती अपनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक खेती मिट्टी की उर्वरता बनाए रखने, पर्यावरण संरक्षण करने और खेती की लागत कम करने का प्रभावी माध्यम है। उन्होंने जीवामृत, बीजामृत, प्राकृतिक कीट प्रबंधन तथा स्थानीय संसाधनों पर आधारित कृषि पद्धतियों को अपनाने पर बल देते हुए किसानों को टिकाऊ कृषि की दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त मोतीपुर पंचायत से सीखेंगे विकास के नए आयाम

जशपुर का 43 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल बिहार के अध्ययन भ्रमण पर, पंचायत विकास के उत्कृष्ट मॉडल को अपनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। ग्राम पंचायतों को सशक्त, आत्मनिर्भर एवं आदर्श बनाने के उद्देश्य से जशपुर जिला प्रशासन द्वारा एक महत्वपूर्ण पहल की गई है। पंचायत विकास, जनभागीदारी, स्वच्छता एवं ग्रामीण अधोसंरचना के उत्कृष्ट मॉडलों का अध्ययन करने के लिए जशपुर जिले का 43 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल बिहार राज्य के समस्तीपुर जिले के रोसड़ा विकासखंड स्थित राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त मोतीपुर ग्राम पंचायत के अध्ययन भ्रमण पर गया। यह भ्रमण 11 से 14 जून 2026 तक आयोजित किया गया।

प्रतिनिधिमंडल में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के अधिकारियों-कर्मचारियों के साथ जिले की 15 ग्राम पंचायतों के सरपंच एवं सचिव शामिल रहे। दल में डिप्टी डायरेक्टर पंचायत, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत, एसडीओ, सब इंजीनियर, फैकल्टी मेंबर,

जिला एवं ब्लॉक समन्वयक स्वच्छ भारत मिशन सहित अन्य अधिकारी भी सम्मिलित थे।

मोतीपुर ग्राम पंचायत को पंचायत विकास एवं नवाचार के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्यों के लिए तीन बार राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित किया जा चुका है। पंचायत की मुखिया श्रीमती प्रेमा देवी के नेतृत्व में किए गए विकास कार्य और नवाचार देशभर की पंचायतों के लिए प्रेरणा का स्रोत बने हैं। यही कारण है कि विभिन्न राज्यों से प्रतिनिधिमंडल समय-समय पर यहां पहुंचकर पंचायत के विकास मॉडल का अध्ययन करते हैं।

अध्ययन भ्रमण के दौरान जशपुर के प्रतिनिधिमंडल ने पंचायत में विकसित स्मार्ट स्कूल, सुव्यवस्थित बाजार, छठ घाट, मुक्तिधाम, अमृत सरोवर, स्वच्छता प्रबंधन व्यवस्था, जल संरक्षण संरचनाओं तथा विभिन्न सामुदायिक विकास परियोजनाओं का अवलोकन किया। प्रतिनिधिमंडल ने योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन, जनसहभागिता, संसाधनों के बेहतर उपयोग एवं पंचायत स्तर पर किए गए नवाचारों की विस्तृत जानकारी भी प्राप्त की।

मोतीपुर ग्राम पंचायत की ओर से जशपुर के प्रतिनिधिमंडल का आत्मीय स्वागत किया गया। पंचायत प्रतिनिधियों ने अपनी विकास यात्रा एवं उपलब्धियों को साझा करते हुए सभी सदस्यों को सम्मान स्वरूप टोपी, शॉल एवं स्मृति चिन्ह भेंट किए।

भ्रमण के दौरान प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों ने पंचायत संचालन व्यवस्था, स्वच्छता मॉडल, सामुदायिक सहभागिता और स्थानीय संसाधनों के प्रभावी उपयोग की सराहना की। उन्होंने कहा कि मोतीपुर पंचायत ने यह सिद्ध कर दिया है कि जनप्रतिनिधियों, प्रशासन और ग्रामीणों के सामूहिक प्रयास से गांवों को विकास की नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया जा सकता है।

अध्ययन भ्रमण में शामिल सरपंचों एवं सचिवों ने संकल्प लिया कि वे अपने-अपने ग्राम पंचायतों में लौटकर मोतीपुर पंचायत के सफल मॉडलों का स्थानीय परिस्थितियों के अनुरूप क्रियान्वयन करेंगे। विशेष रूप से स्वच्छता, जल संरक्षण, शिक्षा, अधोसंरचना विकास, सामुदायिक सहभागिता एवं ग्राम सौंदर्यीकरण के क्षेत्रों में नवाचार आधारित कार्यों को प्राथमिकता दी जाएगी।

प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों ने कहा कि इस अध्ययन भ्रमण से उन्हें पंचायतों के समग्र विकास की नई दिशा और उपयोगी अनुभव प्राप्त हुए हैं। इन अनुभवों के आधार पर जशपुर जिले की ग्राम पंचायतों में नवाचार आधारित विकास कार्यों को बढ़ावा मिलेगा तथा पंचायतें आत्मनिर्भर और आदर्श ग्राम निर्माण की दिशा में और अधिक गति से आगे बढ़ सकेंगी।

कभी फिल्म इंडस्ट्री छोड़ना चाहती थीं निवेथा पेथुराज

'सिंग गीतम' बना करियर का टर्निंग पॉइंट

साउथ फिल्म इंडस्ट्री को कई सफल फिल्में देने वाली अभिनेत्री निवेथा पेथुराज ने बताया कि साल 2023 में उन्होंने फिल्म इंडस्ट्री छोड़ने का मन बना लिया था। हालांकि, बाद में परिस्थितियां बदलीं और उन्हें निर्देशक सिंगीतम श्रीनिवास राव की फिल्म 'सिंग गीतम' का हिस्सा बनने का अवसर मिला, जिसने उनके करियर को नई दिशा दी। फिल्म 'सिंग गीतम' की सफलता के बाद आयोजित थैंक्सगिविंग इवेंट में निवेथा ने अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने कहा कि एक समय ऐसा था जब वह अभिनय की दुनिया से दूर जाना चाहती थीं।

उनके अनुसार, जीवन कभी-कभी ऐसे रास्तों पर ले जाता है, जहां से उसे अपने लिए सही मंजिल का पता चलता है। उन्होंने कहा कि अगर उन्होंने उस समय सिनेमा छोड़ने का फैसला कायम रखा होता, तो शायद आज वह इस खास फिल्म का हिस्सा नहीं बन पातीं।

निवेथा ने फिल्म के निर्माता नाग अश्विन का विशेष रूप से आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि नाग अश्विन ने उन्हें दोबारा आत्मविश्वास दिया और अभिनय की दुनिया में लौटने के लिए प्रेरित किया।

इस दौरान अभिनेत्री भावुक नजर आईं, उन्होंने कहा कि यदि नाग अश्विन का सहयोग नहीं मिला होता, तो वह शायद किसी शांत स्थान पर आध्यात्मिक जीवन जी रही होतीं। उन्होंने स्वीकार किया कि वह एक अलग जीवन चुनने की सोच रही थीं, लेकिन अब वह पूरी ऊर्जा और विश्वास के साथ अपने करियर में वापस लौट चुकी हैं।

अभिनेत्री ने फिल्म देखने के दौरान अपने भावनात्मक अनुभव का भी जिक्र किया। उन्होंने बताया कि फिल्म की कहानी और उसका मैसेज उन्हें बेहद प्रभावित कर गया। उनके अनुसार, यह फिल्म वर्तमान समय की कई महत्वपूर्ण सामाजिक और पर्यावरण संबंधित चुनौतियों को पेश करती है। उन्होंने लोगों से अपील की कि हर शिशु के जन्म पर एक पौधा लगाने की पहल की जाए, जिससे पर्यावरण संरक्षण में मदद मिल सके।

निवेथा ने यह भी कहा कि उन्हें म्यूजिक बेस्ड फिल्मों और म्यूजिक इवेंट्स से खास लगाव है। उन्होंने बताया कि वह अक्सर लंदन में आयोजित म्यूजिक फेस्टिवल्स में शामिल होती रही हैं और भारत में भी ऐसे आयोजनों की उम्मीद करती थीं। ऐसे में 'सिंग गीतम' जैसी म्यूजिकल फिल्म का हिस्सा बनना उनके लिए बेहद खास अनुभव रहा।

कार्यक्रम के दौरान उन्होंने निर्देशक सिंगीथम श्रीनिवास राव की भी जमकर तारीफ की। निवेथा ने उन्हें डायरेक्टर्स के डायरेक्टर बताते हुए कहा कि उनके साथ काम करना उनके करियर के सबसे यादगार अनुभवों में से एक है। उन्होंने फिल्म की पूरी टीम का धन्यवाद करते हुए कहा कि उन पर भरोसा जताने के लिए वह सभी की आभारी हैं।

'हमारा कोई मुकाबला नहीं'

अमाल मलिक के साथ तुलना पर क्या बोलीं तान्या मित्तल?

तान्या मित्तल अपने सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं और अपने फैंस के साथ अक्सर बातचीत करती रहती हैं। हाल ही में उन्होंने अमाल मलिक से उनकी तुलना करने पर रिएक्शन दिया है।

सोशल मीडिया पर दिया बयान

बता दें कि 'बिग बॉस 19' शो के दौरान तान्या और अमाल मलिक के बीच अच्छी दोस्ती देखने को मिली थी, लेकिन बाद में दोनों के रिश्ते में खटास आ गई। अब शो खत्म हो चुका है और दोनों अपने-अपने काम में व्यस्त हैं, लेकिन सोशल मीडिया पर उनके फैंस के बीच अक्सर बहस देखने को मिलती है।

हाल ही में इंस्टाग्राम पर एक (आस्क मी एनीथिंग) सेशन के दौरान तान्या ने इस मुद्दे पर खुलकर बात की। जब एक फैन ने उनसे पूछा कि अब उनकी अमाल से क्या बातचीत होती है, तो तान्या ने कहा, 'मेरी अमाल से कोई बात नहीं होती।

मैं नहीं चाहती कि आप लोग मेरी और अमाल की तुलना करें। प्लीज। मुझे समझ आता है कि उनका मैनेजर या उनका फैनडम मेरे खिलाफ इतना क्यों बोलता है। क्योंकि मैं जानती हूं कि ये इंडस्ट्री कैसी है।'

हमारा कोई मुकाबला नहीं है

उन्होंने आगे कहा, 'वो पिछले 10 साल से इंडस्ट्री में हैं। उन्होंने 'कबीर सिंह' से लेकर कई बड़े प्रोजेक्ट्स में काम किया है। और मैं कौन हूं? मैं तो बस 6 महीने पहले आई हूं। तो लोगों को लगेगा ही कि मुझे इतनी अहमियत क्यों दी जा रही है। लेकिन अमाल ऐसे नहीं हैं।

मैं उनके साथ 100 दिन रही हूं, वो बहुत अच्छे इंसान हैं। हमारा कोई मुकाबला नहीं है। अमाल सुपरस्टार हैं। मेरे लिए वो बहुत बड़े स्टार हैं, पहले इसलिए क्योंकि वो मेरे दोस्त थे और दूसरा इसलिए क्योंकि वो अमाल मलिक हैं।' तान्या ने इस दौरान भाग्यश्री और गुल्लू के साथ अपने रिश्ते को लेकर चल रही अफवाहों को भी खारिज कर दिया और कहा कि उनके बीच कोई मनमुटाव नहीं है।

तान्या मित्तल का हालिया शो

इन दिनों तान्या कुकिंग रियलिटी शो 'मां है ना' में नजर आ रही हैं, जिसे शिल्पा शेट्टी होस्ट कर रही हैं। इस शो में सुनीता आहूजा अपनी बेटी टीना आहूजा के साथ, उर्वशी ढोलकिया अपने बेटे क्षितिज ढोलकिया के साथ, गुल्लू अपनी मां मुनेश तनवर के साथ और भाग्यश्री शर्मा अपनी मां रिंजू शर्मा के साथ नजर आ रही हैं। यह शो हर शुक्रवार को रिलीज होता है और ZEE5 पर स्ट्रीम किया जा सकता है।

खुद को चुनने में कभी देर नहीं होती

मनीषा कोइराला ने तस्वीरों के साथ दी नई शुरुआत की सीख

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में कई महिलाएं परिवार, बच्चों और जिम्मेदारियों के बीच अपने सपनों को कहीं पीछे छोड़ देती हैं। समय के साथ उन्हें लगने लगता है कि अब उनकी उम्र निकल चुकी है और कुछ नया करने का समय नहीं बचा है। ऐसी सभी महिलाओं को बॉलीवुड की मशहूर अभिनेत्री मनीषा कोइराला ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए खास संदेश दिया। उन्होंने कहा कि जिंदगी में खुद को चुनने और अपने सपनों को पूरा करने के लिए कभी भी देर नहीं होती। मनीषा कोइराला ने इंस्टाग्राम अकाउंट पर थाईलैंड ट्रिप की कुछ खूबसूरत तस्वीरें साझा कीं। इन तस्वीरों में वह बेहद खुश नजर आ रही हैं।

कहीं वह प्राकृतिक सुंदरता के बीच समय बिताती दिख रही हैं, तो कहीं शांत माहौल का आनंद लेती दिखाई दे रही हैं। तस्वीरों में वह जीवन के छोटे-छोटे पलों का आनंद नजर आ रही रही हैं। इन तस्वीरों के साथ मनीषा ने कैप्शन में लिखा, जो महिलाएं यह सोचती हैं कि अब उनके लिए बहुत देर हो चुकी है, उन्हें इस सोच को छोड़ देना चाहिए। ट्रिप करें, नई शुरुआत करें और सबसे जरूरी बात, खुद को चुनें। मैं दुनिया को एक्सप्लोर कर रही हूं और साथ ही अपने स्वास्थ्य और मानसिक शांति का भी ध्यान रख रही हूं।

मनीषा कोइराला के इस पोस्ट पर कई लोगों ने कमेंट्स किए। एक यूजर ने लिखा, मनीषा जी, आपकी यह पोस्ट हर महिला के लिए प्रेरणा है। दूसरे यूजर ने लिखा, सच कहा आपने जिंदगी उम्र से नहीं, सोच से चलती है। अन्य यूजर्स ने कमेंट्स में इमोजी शेयर किए।

बता दें कि मनीषा कोइराला हिंदी सिनेमा की उन चुनिंदा अभिनेत्रियों में गिनी जाती हैं जिन्होंने अपने अभिनय से दर्शकों के दिलों पर गहरी छाप छोड़ी है। उन्होंने 1991 में सौदागर से बॉलीवुड में कदम रखा और पहली ही फिल्म से पहचान बना ली। इसके बाद उन्होंने 1942: ए लव स्टोरी, बॉम्बे, खामोशी: द म्यूजिकल, दिल से, मन, लज्जा और कंपनी जैसी कई यादगार फिल्मों में काम किया। उनकी फिल्मों के गाने भी बेहद लोकप्रिय रहे, जिनमें एक लड़की को देखा तो ऐसा लगा, रिम झिम रिम झिम, तू ही रे, जिया जले और नशा यह प्यार का नशा है आज भी लोगों की पसंद बने हुए हैं। अपने शानदार अभिनय के लिए मनीषा को कई बड़े सम्मान भी मिले हैं। उन्हें बेस्ट परफॉर्मेंस के लिए फिल्मफेयर क्रिटिक्स पुरस्कार, सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री के लिए फिल्मफेयर पुरस्कार (क्रिटिक्स कैटेगिरी) सहित कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर सराहना मिली।

फूलों का झुमका, फ्लॉवर प्रिंट ड्रेस और खूबसूरती का जादू

मोनालिसा ने दिए दिलकश पोज

अभिनेत्री मोनालिसा ने सोशल मीडिया पर अपनी कुछ फोटोज शेयर की हैं। इनमें वे फ्लॉवर प्रिंट ड्रेस में स्टाइलिश पोज देती दिख रही हैं। अंतरा बिस्वास उर्फ मोनालिसा! भोजपुरी इंडस्ट्री का चर्चित नाम, जिन्होंने कई टीवी सीरियल में भी काम किया है।

मोनालिसा अपनी एक्टिंग को लेकर जितनी चर्चा बटोरती हैं, उससे ज्यादा सुर्खियां उन्हें अपने लुक की वजह से मिलती है। सोशल मीडिया पर वे अक्सर अपनी फोटोज शेयर करती हैं। मोनालिसा ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से कुछ फोटोज शेयर किए हैं। इनमें वे व्हाइट कलर की वेस्टर्न ड्रेस पहनी हैं, जिस पर फ्लॉवर प्रिंट डिजाइन है।

अभिनेत्री बालकनी में खड़े होकर पोज देती नजर आ रही हैं। उन्होंने सफेद फूलों को झुमकों की तरह कानों में अटकाया हुआ है।

मोनालिसा तस्वीरों में अपना कर्वी फिगर फ्लॉन्ट करती दिख रही हैं। 43 की उम्र में एक्ट्रेस अपनी फिटनेस के लिए जानी जाती हैं। वे नियमित वर्कआउट करती हैं। मोनालिसा के इस लुक पर नेटिजंस तारीफों के पुल बांध रहे हैं। यूजर्स लिख रहे हैं, 'बेहद आकर्षक। स्टाइल में आपका मुकाबला नहीं'। मोनालिसा की पर्सनल लाइफ की बात करें तो उनकी शादी एक्टर विक्रांत सिंह से हुई है। दोनों को बीते दिनों 'द 50' शो में देखा गया था। सोशल मीडिया पर मोनालिसा की अच्छी फैन फॉलोइंग है। उन्हें इंस्टाग्राम पर ही 5.8 मिलियन लोग फॉलो करते हैं।

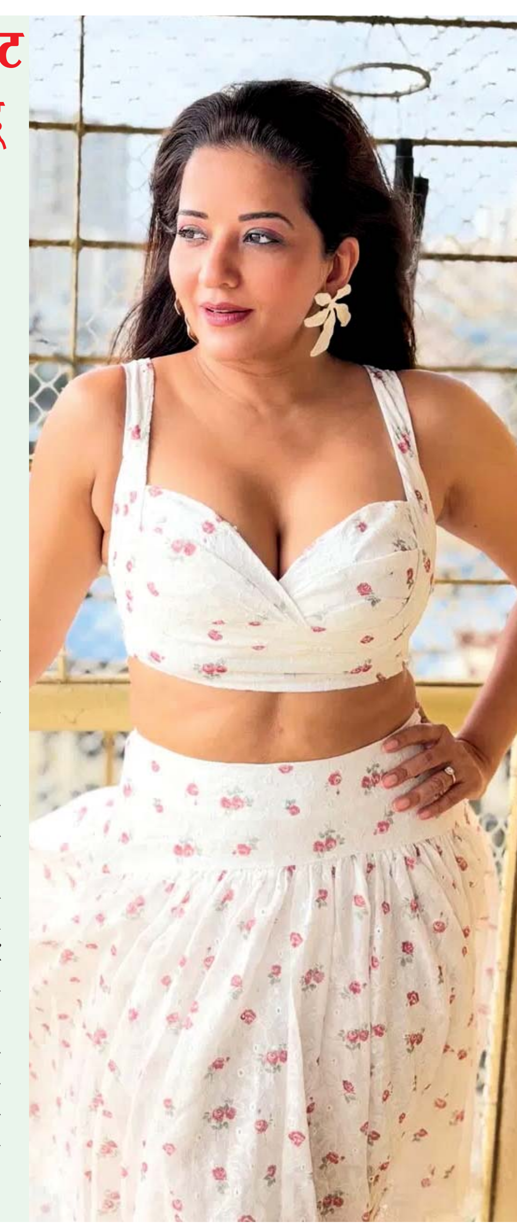

लीव-इन कंडीशनर का इस्तेमाल करते समय न करें ये 5 गलतियां

लीव-इन कंडीशनर बालों की देखभाल के लिए एक जरूरी उत्पाद है। यह बालों को नमी प्रदान करता है और उन्हें स्वस्थ बनाए रखने में मदद करता है। हालांकि, इसे सही तरीके से इस्तेमाल करना जरूरी है ताकि आप इसके पूरे फायदे उठा सकें। कई लोग बिना सही जानकारी के लीव-इन कंडीशनर का उपयोग करते हैं और कुछ गलतियां कर बैठते हैं, जिससे उन्हें अच्छे परिणाम नहीं मिल पाते। आइए जानें कि लीव-इन कंडीशनर से जुड़ी किन-किन गलतियों से बचना चाहिए।

ज्यादा कंडीशनर लगाना

लीव-इन कंडीशनर का उपयोग करते समय सबसे बड़ी गलती है ज्यादा कंडीशनर लगाना। कई लोग सोचते हैं कि जितना ज्यादा कंडीशनर लगाएंगे, उतना बेहतर परिणाम मिलेगा। लेकिन ऐसा करना गलत है। ज्यादा कंडीशनर लगाने से बाल चिपचिपे हो सकते हैं और उनका प्राकृतिक रूप बिगड़ सकता है। इसलिए हमेशा मात्रा का ध्यान रखें और जरूरत के अनुसार ही कंडीशनर लगाएं ताकि बाल स्वस्थ और चमकदार बने रहें।

गीले बालों पर लगाना

गीले बालों पर लीव-इन कंडीशनर लगाने से पहले उन्हें हल्का सूखा लें। गीले बालों पर सीधा कंडीशनर लगाने से वह सही तरीके से अवशोषित नहीं होता और बालों की जड़ों तक नहीं पहुंच पाता। इससे बालों की जड़ें कमजोर हो सकती हैं और उनमें रूखापन आ सकता है। इसलिए हमेशा तौलिये से हल्का सूखा लेने के बाद ही बालों पर कंडीशनर लगाएं ताकि वह सही तरीके से अवशोषित हो सके और बाल स्वस्थ रहें।

सिर की त्वचा पर कंडीशनर लगाना

सिर की त्वचा पर लीव-इन कंडीशनर लगाना भी एक आम गलती है, जिसे कई लोग अनजाने में कर बैठते हैं। कंडीशनर सिर्फ बालों की लंबाई पर लगाना चाहिए, न कि सिर की त्वचा पर क्योंकि इससे त्वचा चिपचिपी हो सकती है और जमीनी स्तर पर तेल जमा हो सकता है। इससे सिर की ताजगी कम होती है और बालों में रूखापन आ सकता है। इसलिए हमेशा कंडीशनर को बालों की लंबाई पर ही लगाएं ताकि सिर की ताजगी बनी रहे।

गलत समय पर उपयोग करना

लीव-इन कंडीशनर का सही समय पर उपयोग करना भी जरूरी है। कई लोग धोने के तुरंत बाद या सोने से पहले लीव-इन कंडीशनर का उपयोग करते हैं, जो सही नहीं है। सबसे अच्छा समय है जब आपके बाल थोड़े सूखे हों यानी तौलिये से हल्का सूखा लिया हो। इससे कंडीशनर बेहतर तरीके से काम करेगा और आपके बालों को पूरा पोषण देगा। सही समय पर उपयोग करने से आपके बाल स्वस्थ और चमकदार बने रहेंगे।

गलत उत्पाद चुनना

लीव-इन कंडीशनर चुनते समय उसकी गुणवत्ता पर ध्यान देना बहुत जरूरी है। कई बार सस्ते दाम देखकर लोग घटिया गुणवत्ता वाले उत्पाद खरीद लेते हैं, जो बालों को नुकसान पहुंचा सकते हैं।

हमेशा अच्छी ब्रांडेड कंपनियों का ही चयन करें जो प्राकृतिक सामग्रियों से बने हों। इन गलतियों से बचकर आप अपने बालों को स्वस्थ रख सकते हैं और लीव-इन कंडीशनर के पूरे फायदों का आनंद ले सकते हैं।

खास खबर

जिला जेल दंतेवाड़ा में स्वास्थ्य जांच एवं परामर्श शिविर आयोजित

रायपुर। कलेक्टर देवेश कुमार ध्रुव के निर्देश एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अजय रामटेके के मार्गदर्शन में जिला जेल दंतेवाड़ा में एक दिवसीय ब्रेन हेल्थ क्लिनिक एवं मानसिक स्वास्थ्य स्क्रीनिंग शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर नीति आयोग, भारत सरकार द्वारा संचालित ब्रेन हेल्थ क्लिनिक तथा जिला मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित किया गया। शिविर के दौरान कुल 76 बंदियों की मानसिक स्वास्थ्य संबंधी जांच एवं स्क्रीनिंग की गई। जांच के माध्यम से मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी विभिन्न समस्याओं की पहचान कर आवश्यक परामर्श और उपचार संबंधी सुझाव दिए गए। जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग द्वारा संचालित यह पहल मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं को समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। जांच के दौरान 20 से अधिक बंदियों में नींद संबंधी समस्याएं पाई गईं, जबकि एक बंदी में गंभीर मानसिक स्वास्थ्य समस्या के लक्षण चिन्हित किए गए। इसके अलावा 53 बंदियों को सामान्य स्वास्थ्य जांच एवं आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श प्रदान किया गया।

जैविक खेती, जल संरक्षण और नवाचारों का संगम बना कृषि विज्ञान केंद्र का कार्यशाला परिसर

रायपुर। बलरामपुर जिला स्थित कृषि विज्ञान केंद्र जाबर में आयोजित कार्यशाला किसानों के लिए ज्ञान, नवाचार और जनकल्याणकारी योजनाओं का प्रभावी मंच साबित हुई। कार्यक्रम में विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों एवं जीवंत प्रदर्शनी के माध्यम से किसानों को प्राकृतिक एवं जैविक खेती, जल संरक्षण, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन तथा आधुनिक कृषि तकनीकों की विस्तृत जानकारी दी गई। कार्यशाला में कृषि, उद्यानिकी, मत्स्य पालन, पशुपालन, ग्रामीण विकास एवं स्वास्थ्य विभाग सहित विभिन्न विभागों ने अपने-अपने स्टॉल लगाए। विशेषज्ञों ने किसानों को जैविक खाद, जीवामृत, बीजामृत, प्राकृतिक कीट प्रबंधन, फसल विविधीकरण, एकीकृत कृषि प्रणाली तथा कृषि लागत में कमी लाकर आय बढ़ाने के उपायों से अवगत कराया। किसानों ने स्टॉलों का अवलोकन कर विशेषज्ञों से सीधे संवाद किया और खेती-किसानी से जुड़ी अपनी जिज्ञासाओं का समाधान प्राप्त किया। कार्यक्रम का प्रमुख आकर्षण जल संरक्षण, 5 प्रतिशत स्ट्रक्चर मॉडल, नील-हरित शैवाल तथा ठोस अपशिष्ट प्रबंधन पर आधारित जीवंत प्रदर्शनी रही। प्रदर्शनी के माध्यम से प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण, पर्यावरण संतुलन और सतत विकास के महत्व को सरल एवं प्रभावी तरीके से प्रस्तुत किया गया। 5 प्रतिशत स्ट्रक्चर मॉडल के जरिए वर्षा जल संचयन और खेतों में जल संरक्षण की तकनीकों का प्रदर्शन किया गया, जिससे किसानों को सीमित संसाधनों में भी जल का बेहतर प्रबंधन करने की जानकारी मिली। प्रदर्शनी में नील-हरित शैवाल के उपयोग और इसके कृषि लाभों को भी प्रदर्शित किया गया। उर्वरता बढ़ाने और पर्यावरण अनुकूल खेती को प्रोत्साहित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

पर्यटन के राष्ट्रीय मानचित्र पर चमका छत्तीसगढ़ की संस्कृति

गोवा में केंद्रीय पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने किया सम्मानित, पर्यटन मंत्री राजेश अग्रवाल ने ग्रहण किया अवॉर्ड

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ ने एक बार फिर राष्ट्रीय स्तर पर अपनी सांस्कृतिक पहचान और पर्यटन क्षमता का परचम लहराया है। गोवा में आयोजित प्रतिष्ठित "इंडिया टुडे टूरिज्म समिट एंड अवॉर्ड्स-2026" में छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड को "कल्चरल टूरिज्म विनर" अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। यह पुरस्कार राज्य की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, अद्वितीय जनजातीय परंपराओं, स्थानीय लोककला और पर्यटन विकास के क्षेत्र में किए गए नवाचारों को मिली राष्ट्रीय मान्यता है। केंद्रीय पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने यह सम्मान प्रदान किया, जिसे राज्य की ओर से पर्यटन मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने ग्रहण किया। इस अवसर पर गोवा के मुख्यमंत्री डॉ. प्रमोद सावंत सहित बिहार, तेलंगाना, सिक्किम, अरुणाचल प्रदेश और गोवा के पर्यटन मंत्री तथा देशभर के पर्यटन विशेषज्ञ और उद्योग प्रतिनिधि मौजूद रहे।

यह सम्मान छत्तीसगढ़ द्वारा अपनी समृद्ध लोक संस्कृति, जनजातीय परंपराओं, कला, हस्तशिल्प, लोक उत्सवों और सांस्कृतिक धरोहरों को पर्यटन विकास से जोड़ने के लिए किए जा रहे सतत प्रयासों की राष्ट्रीय स्तर पर मिली महत्वपूर्ण सफलता है। पिछले कुछ वर्षों में छत्तीसगढ़ ने सांस्कृतिक पर्यटन को राज्य की पर्यटन नीति के केंद्र में रखकर जिस तरह योजनाबद्ध ढंग से कार्य किया है, उसने देशभर का ध्यान आकर्षित किया है। यही कारण है कि आज छत्तीसगढ़ केवल प्राकृतिक सौंदर्य और जलप्रपातों के लिए ही नहीं, बल्कि अपनी जीवंत संस्कृति और जनजातीय विरासत के लिए भी तेजी से पहचान बना रहा है।

समिट के दौरान आयोजित विशेष पैनल चर्चा "हिडन इंडिया हाउ इमर्जिंग डेस्टिनेशंस आर ड्राइविंग डोमेस्टिक टूरिज्म ग्रोथ" में भी छत्तीसगढ़ का पर्यटन मॉडल चर्चा का केंद्र रहा। इस सत्र में पर्यटन मंत्री राजेश अग्रवाल, छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड के अध्यक्ष नीलू शर्मा, पर्यटन विभाग के सचिव डॉ. एस. भारतीदासन तथा छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड के प्रबंध संचालक विवेक आचार्य ने राज्य की पर्यटन उपलब्धियों, नवाचारों, निवेश संभावनाओं और भविष्य की रणनीतियों पर विस्तार से विचार रखे। पैनल चर्चा में बताया गया कि किस प्रकार छत्तीसगढ़ ने स्थानीय समुदायों की भागीदारी सुनिश्चित करते हुए पर्यटन को सांस्कृतिक संरक्षण और आर्थिक विकास का माध्यम बनाया है।

श्री अग्रवाल ने कहा कि यह सम्मान छत्तीसगढ़ के प्रत्येक नागरिक, हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, पर्यटन विभाग के अधिकारियों-कर्मचारियों, छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड की पूरी टीम, पर्यटन उद्योग से जुड़े हितधारकों, कलाकारों, शिल्पकारों और स्थानीय समुदायों के सामूहिक प्रयासों का परिणाम है। मैं इस गौरवपूर्ण उपलब्धि पर सभी प्रदेशवासियों, पर्यटन विभाग तथा छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड की पूरी टीम को हार्दिक बधाई देता हूं। यह सम्मान हमें पर्यटन विकास के क्षेत्र में और अधिक उत्साह तथा प्रतिबद्धता के साथ कार्य करने की प्रेरणा देगा। 'इंडिया टुडे टूरिज्म समिट एंड अवॉर्ड्स' देश के सबसे प्रतिष्ठित पर्यटन आयोजनों में से एक है। इस मंच पर पर्यटन क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले राज्यों, संस्थानों और पर्यटन परियोजनाओं को सम्मानित किया जाता है।

साथ ही, पर्यटन क्षेत्र से जुड़े नीति-निर्माताओं, विशेषज्ञों और उद्योग जगत के प्रतिनिधियों को पर्यटन विकास की चुनौतियों और संभावनाओं पर विचार-विमर्श का अवसर भी मिलता है।

राष्ट्रीय स्तर पर मिली यह पहचान प्रदेश के लिए बड़ी उपलब्धि

पर्यटन मंत्री राजेश अग्रवाल ने अवॉर्ड प्राप्त करने के बाद कहा कि यह सम्मान पूरे छत्तीसगढ़ के लिए गर्व और सम्मान का विषय है। उन्होंने कहा कि राज्य की लोक संस्कृति, जनजातीय परंपराओं, कला, हस्तशिल्प और सांस्कृतिक विरासत को पर्यटन से जोड़ने के लिए किए जा रहे प्रयासों को राष्ट्रीय स्तर पर मिली यह पहचान प्रदेश के लिए बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का उद्देश्य केवल पर्यटन स्थलों का विकास करना ही नहीं, बल्कि पर्यटन को स्थानीय लोगों की आजीविका, सांस्कृतिक संरक्षण और सामाजिक-आर्थिक सशक्तिकरण का प्रभावी माध्यम बनाना है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यह सम्मान छत्तीसगढ़ को देश के प्रमुख सांस्कृतिक पर्यटन गंतव्यों में स्थापित करने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा।

भाटापारा में गौरव का दिन : डॉ. रमन सिंह ने किया छत्तीसगढ़ महतारी और शहीद खोण्डे की प्रतिमा का अनावरण

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ विधानसभा के अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह आज बलौदाबाजार-भाटापारा जिले के अपने एक दिवसीय प्रवास पर भाटापारा पहुंचे। इस दौरान उन्होंने शहर को एक बड़ी सांस्कृतिक और ऐतिहासिक सौगात देते हुए छत्तीसगढ़ महतारी और देश के वीर सपूत शहीद श्रीकृष्ण गजानन खोण्डे की भव्य प्रतिमाओं का अनावरण किया। शहीद को नमन करते हुए डॉ. रमन सिंह ने कहा की यह प्रतिमा आने वाली पीढ़ियों और युवाओं के लिए राष्ट्रसेवा की प्रेरणा बनेगी। देश उनके सर्वोच्च बलिदान को कभी नहीं भूल सकता।

इस गरिमामय समारोह में राज्य के राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष गौरीशंकर अग्रवाल समेत कई वरिष्ठ जनप्रतिनिधि और प्रशासनिक अधिकारी विशेष रूप से उपस्थित रहे। इस संवेदनशील अवसर पर विधानसभाध्यक्ष डॉ. सिंह ने शहीद फ्लाइट लेफ्टिनेंट के परिजनों (पुत्री प्रिया खोण्डे और भाई प्रभाकर खोण्डे) से बेहद आत्मीयता से मुलाकात की और उनका कुशलक्षेम जाना।

अपने प्रवास के दौरान डॉ. रमन सिंह सबसे पहले छत्तीसगढ़ महतारी चौक पहुंचे, जहां उन्होंने नवनिर्मित छत्तीसगढ़ महतारी की प्रतिमा का अनावरण किया। विधानसभा अध्यक्ष ने प्रतिमा पर माल्यार्पण कर एवं पारंपरिक विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर राज्य की सुख-समृद्धि की कामना की। इसके पश्चात विधानसभा अध्यक्ष भाटापारा स्थित शहीद श्रीकृष्ण गजानन खोण्डे परिसर पहुंचे। वहां उन्होंने वर्ष 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध में देश के लिए अपना सर्वोच्च बलिदान देने वाले वीर फ्लाइट लेफ्टिनेंट शहीद श्रीकृष्ण गजानन खोण्डे की प्रतिमा का अनावरण किया।

इस ऐतिहासिक गरिमामय कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल के अध्यक्ष अनुराग सिंहदेव, छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी बैंक के अध्यक्ष केदारनाथ गुप्ता, पूर्व विधायक शिवरतन शर्मा और डॉ. सनम जांगड़े उपस्थित थे।

स्थानीय प्रशासन और जनप्रतिनिधियों में जिला पंचायत अध्यक्ष आकांक्षा जायसवाल, नगर पालिका अध्यक्ष अश्वनी शर्मा, जनप्रतिनिधिगणों के साथ-साथ बलौदाबाजार कलेक्टर कुलदीप शर्मा, पुलिस अधीक्षक ओपी शर्मा और भारी संख्या में नगरवासी मौजूद रहे।

छत्तीसगढ़ में 12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की तैयारियां तेज

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ में आगामी 21 जून को 12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का भव्य आयोजन किया जाएगा। इस वर्ष योग दिवस की थीम स्वस्थ आयु के लिए योग निर्धारित की गई है। आयोजन को व्यापक और सफल बनाने के लिए राज्य के मुख्य सचिव विकासशील ने आज मंत्रालय (महानदी भवन) में विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों की एक उच्च स्तरीय बैठक ली और तैयारियों की समीक्षा की।

बैठक में अधिकारियों ने बताया कि इस वर्ष अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का संभावित राज्य स्तरीय मुख्य कार्यक्रम सरगुजा जिले में आयोजित होगा। मुख्य सचिव ने अधिकारियों को इसके लिए सभी आवश्यक और पुख्ता तैयारियां समय से पूरी करने के निर्देश दिए हैं। मुख्य सचिव विकासशील ने निर्देश दिए कि भारत सरकार के आयुष मंत्रालय के दिशा-निर्देशों के अनुरूप राज्य के सभी जिलों में योग कार्यक्रमों का आयोजन किया जाए।

राज्य की प्रत्येक ग्राम पंचायत के प्रमुख स्थलों पर अनिवार्य रूप से योगाभ्यास कार्यक्रम आयोजित करने के लिए सभी कलेक्टर्स को निर्देश दिए गए हैं। कार्यक्रम के सफल क्रियान्वयन के लिए आयुष विभाग और समाज कल्याण विभाग के अधिकारियों को आपस में बेहतर समन्वय के साथ काम करने को कहा गया है। मुख्य सचिव ने अधिकारियों को सचेत करते हुए कहा कि 21 जून को ही नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) द्वारा नीट की पुन: परीक्षा भी आयोजित की जा रही है।

प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण, तीन दिवसीय फोटो प्रदर्शनी का सांसद चिंतामणी महाराज ने किया शुभारंभ

श्रीकंचनपथ समाचार

अम्बिकापुर। देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर जनसम्पर्क विभाग द्वारा आयोजित तीन दिवसीय प्रदर्शनी का शुभारंभ मंगलवार को हुआ। 16 से 18 जून तक लगने वाली यह प्रदर्शनी अम्बिकापुर के कला केंद्र मैदान में लगाई गई है।

प्रदर्शनी में पिछले 12 वर्षों के दौरान विभिन्न क्षेत्रों में हुए विकास कार्यों, जनकल्याणकारी योजनाओं तथा देश एवं राज्य की उपलब्धियों को आकर्षक चित्रों और जानकारी के माध्यम से प्रदर्शित किया गया। इस दौरान एलईडी के माध्यम से भी शासन की उपलब्धियों एवं योजनाओं जानकारी दी जा रही है।

प्रदर्शनी का शुभारंभ सांसद श्री चिंतामणी महाराज ने किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूरे हुए हैं, इन 12 वर्षों में देश के विकास और जनकल्याण के क्षेत्र में अनेक ऐतिहासिक कार्य किए गए हैं। सरकार की विभिन्न योजनाओं और नीतियों का लाभ समाज के सभी वर्गों तक पहुंचा है। उन्होंने प्रदर्शनी में प्रदर्शित विकास कार्यों और उपलब्धियों का अवलोकन करते हुए कहा कि यह प्रदर्शनी आमजन को सरकार की योजनाओं और उपलब्धियों की जानकारी देने का प्रभावी माध्यम है। उन्होंने नागरिकों से प्रदर्शनी का अवलोकन कर विकास यात्रा को समझने और योजनाओं का लाभ उठाने का आह्वान किया। इसी कड़ी में कार्यक्रम में उपस्थित राज्य युवा आयोग के अध्यक्ष श्री विश्व विजय सिंह तोमर ने कहा कि प्रदर्शनी के माध्यम से आमजन को सरकार की विभिन्न योजनाओं और विकास कार्यों की जानकारी सरल एवं प्रभावी ढंग से प्राप्त हो रही है। वहीं जनप्रतिनिधि श्री भारत सिंह सिसोदिया ने लोगों को शासन की उपलब्धियों के बारे में बताते हुए प्रदर्शनी का अवलोकन करने का आह्वान किया। प्रदर्शनी का अवलोकन करने पहुंचे नागरिकों, विद्यार्थियों एवं जनप्रतिनिधियों ने प्रदर्शित तस्वीरों और जानकारी में विशेष रुचि दिखाई। फोटो प्रदर्शनी में चित्रों के माध्यम से लोगों को प्रधानमंत्री आवास योजना ,प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना,आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना, धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, पीएम श्री स्कूल, प्रधानमंत्री उज्जवला योजना,प्रधानमंत्री जनमन योजना सहित अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं एवं उपलब्धियों के बारे में बताया गया। प्रदर्शनी में आधारभूत संरचना, डिजिटल भारत, स्वच्छता, स्वास्थ्य, शिक्षा, महिला सशक्तिकरण तथा ग्रामीण विकास से संबंधित प्रमुख उपलब्धियों को दर्शाया गया। शुभारंभ कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष निरुपा सिंह, महापौर मंजूषा भगत, सभापति हरमिंदर सिंह टिन्नी, पूर्व सांसद कमलभान सिंह, पार्षद आलोक दुबे, पार्षद विकास पांडेय, पार्षद मनीष सिंह, सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि, जिला प्रशासन के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे इस दौरान बड़ी संख्या में नागरिकों ने भाग लेकर प्रदर्शित सामग्री का अवलोकन किया।

सहकारिता मंत्री केदार कश्यप ने किया नवीन भवन का लोकार्पण

नारायणपुर को मिली जिला सहकारी केंद्रीय बैंक की नई शाखा

- किसानों, महिलाओं और ग्रामीणों को मिलेंगी बेहतर बैंकिंग सुविधाएं
- किसान क्रेडिट कार्ड एवं बीज वितरण से लाभान्वित हुए कृषक

श्रीकंचनपथ समाचार

नारायणपुर। जिले में बैंकिंग सुविधाओं को मजबूत बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए जिला सहकारी केंद्रीय बैंक की नवीन शाखा भवन का लोकार्पण सहकारिता मंत्री केदार कश्यप ने किया। लगभग 36 लाख रुपये की लागत से निर्मित इस आधुनिक भवन से जिले के किसानों, ग्रामीणों, महिला स्व-सहायता समूहों और छोटे व्यापारियों को बेहतर बैंकिंग सेवाएं उपलब्ध होंगी।

मंत्री कश्यप ने बैंक परिसर के नोडल कार्यालय भवन, बैठक हॉल में शेड तथा शौचालय निर्माण की भी घोषणा की। उन्होंने बैंक अधिकारियों और कर्मचारियों से सेवा भाव एवं पारदर्शिता के साथ कार्य करने का आह्वान किया।

बैंक अधिकारियों ने बताया कि नई शाखा में ग्राहकों की सुविधा के लिए सुव्यवस्थित काउंटर, डिजिटल बैंकिंग सेवाएं तथा पारदर्शी लेन-देन की व्यवस्था की गई है। इससे ग्राहकों को तेज, सुरक्षित और बेहतर बैंकिंग सेवाएं प्राप्त होंगी।

ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मिलेगी मजबूती

लोकार्पण समारोह को संबोधित करते हुए मंत्री श्री केदार कश्यप ने कहा कि सहकारी बैंक ग्रामीण अर्थव्यवस्था की मजबूत आधारशिला हैं। नई शाखा के शुरू होने से किसानों और आम नागरिकों को बैंकिंग सेवाओं के लिए दूर-दराज के क्षेत्रों में नहीं जाना पड़ेगा। इससे समय और संसाधनों की बचत होगी तथा ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई गति मिलेगी।

15 किसानों को मिला किसान क्रेडिट कार्ड का लाभ

कार्यक्रम के दौरान 15 किसानों को किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) वितरित किए गए। साथ ही किसानों को बीज वितरण कर कृषि उत्पादन बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित किया गया। स्थानीय नागरिकों और किसानों ने नई शाखा के शुभारंभ का स्वागत करते हुए कहा कि इससे बैंकिंग सेवाएं उनके और अधिक करीब पहुंचेंगी तथा शासकीय योजनाओं का लाभ प्राप्त करना आसान होगा।

विकास और वित्तीय समावेशन को मिलेगा बढ़ावा

जिला सहकारी केंद्रीय बैंक की यह नई शाखा ग्रामीण विकास, वित्तीय समावेशन और किसानों के आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। इससे शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने में भी सहायता मिलेगी।

इस अवसर पर पूर्व सांसद एवं जिला सहकारी केंद्रीय बैंक के अध्यक्ष दिनेश कश्यप, उपाध्यक्ष श्रीनिवास मिश्रा, छत्तीसगढ़ राज्य लघु वनोपज सहकारी संघ के अध्यक्ष रूपसाय सलाम, जिला पंचायत अध्यक्ष नारायण मरकाम, नगर पालिका परिषद अध्यक्ष इंद्र प्रसाद बघेल सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारी और बड़ी संख्या में किसान उपस्थित रहे।

शासकीय योजनाओं का मिलेगा लाभ

मंत्री कश्यप ने कहा कि सहकारी बैंक किसानों को कम ब्याज दर पर ऋण उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। नई शाखा के माध्यम से किसानों को कृषि ऋण, किसान क्रेडिट कार्ड, पशुपालन ऋण, स्वरोजगार योजनाओं के तहत ऋण तथा महिला स्व-सहायता समूहों को वित्तीय सहायता आसानी से उपलब्ध कराई जा सकेगी। कृषि कार्यों के लिए खाद, बीज और कृषि उपकरणों की खरीद हेतु आवश्यक वित्तीय सहायता भी अब स्थानीय स्तर पर उपलब्ध होगी।

महतारी वंदन योजना: प्रतिमाह मिल रही आर्थिक सहायता

रायपुर। महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से संचालित महतारी वंदन योजना जिले की हजारों महिलाओं के जीवन में सकारात्मक बदलाव ला रही है। इसी कड़ी में मुंगेली निवासी लक्ष्मी गंधर्व के लिए यह योजना आर्थिक संबल और आत्मविश्वास का माध्यम बन गई है। श्रीमती लक्ष्मी गंधर्व नियमित रूप से महतारी वंदन योजना का लाभ प्राप्त कर रही हैं। योजना के तहत उन्हें प्रतिमाह एक हजार रुपये की आर्थिक सहायता मिल रही है, जिससे वे अपने परिवार की आवश्यक जरूरतों को पूरा करने में सहयोग कर पा रही हैं। इस राशि का उपयोग वे बच्चों की पढ़ाई, घरेलू आवश्यकताओं तथा छोटे-मोटे दैनिक खर्चों के लिए कर रही हैं।

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

Jaquar Roca Parryware AJAY
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

एनएच के ढाबों-होटलों में पुलिस की रेड

ओवरलाइट, अवैध शराब और पार्किंग व्यवस्था की जांच, हाई इंटेंसिटी लाइट बंद रखने होंगे

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रायपुर ग्रामीण पुलिस ने रायपुर-बिलासपुर नेशनल हाईवे पर स्थित ढाबों, होटलों और अन्य व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में जांच अभियान चलाया। इस दौरान सड़क सुरक्षा, पार्किंग व्यवस्था और अवैध गतिविधियों की रोकथाम को लेकर संचालकों को जरूरी निर्देश दिए गए।

एसपी ग्रामीण स्वेता श्रीवास्तव सिन्हा के निर्देश पर धरसीवा थाना और सिलतरा चौकी पुलिस की टीमों ने हाईवे किनारे संचालित प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया। जांच के दौरान सड़क सुरक्षा और यातायात व्यवस्था से जुड़े सुप्रीम कोर्ट के दिशा-निर्देशों का पालन सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया।

हाई इंटेंसिटी लाइट बंद रखने के निर्देश

जांच के दौरान पुलिस ने ढाबों और होटलों में लगाई गई तेज रोशनी वाली हाई इंटेंसिटी लाइट्स को लेकर निर्देश दिए। अधिकारियों ने कहा कि ऐसी चकाचौंध पैदा करने वाली लाइटें हाईवे से गुजरने वाले वाहन चालकों के लिए दुर्घटना का कारण बन सकती हैं, इसलिए इन्हें बंद रखा जाए।

सड़क किनारे खड़े ट्रकों पर भी सख्ती

पुलिस ने संचालकों और वाहन चालकों को चेतावनी दी कि भारी वाहनों और ट्रकों को राष्ट्रीय राजमार्ग के किनारे अनियंत्रित तरीके से खड़ा न किया जाए। वाहनों को केवल निर्धारित पार्किंग स्थल पर खड़ा करने और पार्किंग के दौरान

पार्किंग लाइट चालू रखने के निर्देश दिए गए, ताकि सड़क हादसों की आशंका कम हो सके।

अभियान के दौरान पुलिस ने साफ किया कि बिना वैधानिक अनुमति के किसी भी ढाबे या होटल में शराब की बिक्री या सेवन कराना पूरी तरह प्रतिबंधित है। नियमों के उल्लंघन की स्थिति में आबकारी अधिनियम और अन्य कानूनी प्रावधानों के तहत सख्त कार्रवाई की जाएगी।

संदिग्ध गतिविधियों की सूचना देने की अपील

पुलिस अधिकारियों ने ढाबा और होटल संचालकों से कहा कि किसी भी संदिग्ध व्यक्ति, अवैध कारोबार या कानून-व्यवस्था से जुड़ी जानकारी तत्काल नजदीकी थाने या डायल-112 को दें।

पुलिस का कहना है कि हाईवे पर सड़क सुरक्षा मजबूत करने, अपराधों की रोकथाम और यात्रियों को सुरक्षित माहौल उपलब्ध कराने के लिए ऐसे अभियान आगे भी लगातार चलाए जाएंगे।

खास खबर

चोरी की 12 दुपहिया के साथ, 3 आरोपी गिरफ्तार

रायपुर। राजधानी में एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट की विशेष टीम ने दो वाहन चोरों और चोरी की बाइक खरीदने वाले एक आरोपी को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 12 चोरी की दोपहिया वाहन समेत कुल 13 बाइक जब्त की हैं। बरामद वाहनों की कुल कीमत लगभग 5.20 लाख रुपये आंकी गई है। पुलिस के मुताबिक, डीसीपी क्राइम एवं साइबर स्मृतिक राजनाला के निर्देशन में वाहन चोरी के मामलों की जांच और आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए विशेष टीम गठित की गई थी। टीम को 15 जून को सूचना मिली कि तेलीबांधा क्षेत्र में दो युवक एक संदिग्ध बाइक बेचने के लिए ग्राहक की तलाश कर रहे हैं। सूचना के आधार पर पुलिस ने घेराबंदी कर संतोष कुमार गुप्ता (32) और असरफअली (22) को पकड़ा। पूछताछ के दौरान दोनों वाहन के दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सके। सख्ती से पूछताछ करने पर आरोपियों ने रायपुर के विभिन्न थाना क्षेत्रों से करीब एक दर्जन दोपहिया वाहन चोरी करना स्वीकार कर लिया। पुलिस ने तीनों आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

डिलीवरी बॉय को अगवा कर पीटा, भागकर बचाई जान

बिलासपुर। बिलासपुर में बदमाशों ने युवक को घेरकर रोक लिया और जबरन अपने साथ ले गए। इस दौरान आरोपियों ने युवक पर उसके दोस्त को बुलाने का दबाव बनाया। विरोध करने पर बदमाशों ने उसकी बेरहमी से पिटाई कर दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। हालांकि युवक किसी तरह आरोपियों के चंगुल से भागकर अपनी जान बचाने में सफल रहा। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मारपीट का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। घटना सरकंडा थाना क्षेत्र की है। युवक का आरोप है कि उसे युवकों ने अगवा किया, जिसके बाद बेरहमी से मारपीट की। जिससे उसके चेहरे, आंख, पीठ और शरीर के अन्य हिस्सों में चोटें आईं। उसकी शिकायत पर पुलिस ने पहले अपहरण का केस दर्ज करने की बात कही थी। हालांकि, घटना की गंभीरता के बावजूद पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ केवल साधारण मारपीट का मामला दर्ज किया है। वहीं, एफआईआर दर्ज होने के बाद भी किसी भी आरोपी की गिरफ्तारी नहीं हो सकी है। पीड़ित ने पुलिस से आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी और उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

3.837 किलो गांजा के साथ आरोपी गिरफ्तार

डोंगरगढ़। जिले में अवैध मादक पदार्थों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत डोंगरगढ़ पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट के अंतर्गत कार्रवाई करते हुए एक आरोपी के कब्जे से 3.837 किलोग्राम अवैध गांजा बरामद किया है। जप्त गांजा की अनुमानित कीमत करीब 70 हजार रुपये बताई गई है। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार, पुलिस अधीक्षक अंकिता शर्मा के निर्देश, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कीर्तन राठौर के मार्गदर्शन तथा एसडीओपी केशरी नंदन नायक के पर्यवेक्षण में जिले में अवैध मादक पदार्थों की बिक्री, परिवहन एवं तस्करी पर अंकुश लगाने के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत 15 जून 2026 को पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि ग्राम भानपुरी में रहने वाला रमा शंकर वर्मा अपने खेत में बने कमरे में अवैध रूप से गांजा रखे हुए है। सूचना के आधार पर थाना प्रभारी संतोष जायसवाल के नेतृत्व में पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर विधिवत तलाशी ली। तलाशी के दौरान आरोपी रमा शंकर वर्मा (58 वर्ष) के कब्जे से 3.837 किलोग्राम गांजा बरामद किया गया। पुलिस ने मादक पदार्थ को जब्त कर आरोपी के खिलाफ अपराध क्रमांक 339/2026 के तहत धारा 20(ख) एनडीपीएस एक्ट में मामला दर्ज किया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया।

चोरी का सामान खरीद ने वालों में मचा हड़कंप पुलिस ने 7 कबाड़ी दुकानों पर मारी ताबड़तोड़ रेड

श्रीकंचनपथ न्यूज

कबीरधाम। चोरी के सामान की खरीद-फरोख्त पर शिकंजा कसने के लिए विशेष अभियान, संदिग्ध सामान खरीदने वालों को पुलिस की सख्त चेतावनी। जिले में चोरी की घटनाओं पर प्रभावी अंकुश लगाने और चोरी के सामान की खरीद-बिक्री के नेटवर्क को ध्वस्त करने के उद्देश्य से कबीरधाम पुलिस ने बुधवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए कवर्धा शहर की 07 कबाड़ी दुकानों पर एक साथ छापेमार जांच की। इस कार्रवाई से कबाड़ी कारोबारियों में हड़कंप मच गया।

यह अभियान पुलिस अधीक्षक धर्मेंद्र सिंह के निर्देश तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पुष्पेंद्र सिंह एवं अमित पटेल के मार्गदर्शन में चलाया गया। एसडीपीओ कवर्धा आशीष शुक्ला और कोतवाली थाना प्रभारी योगेश कश्यप के नेतृत्व में पुलिस टीम ने दुकानों में रखे कबाड़, खरीद-बिक्री के दस्तावेजों और रिकॉर्ड की गहन जांच की। साथ ही दुकानदारों से कबाड़ के स्रोत और विक्रेताओं की जानकारी भी ली गई। जांच के दौरान

पुलिस ने सभी कबाड़ी संचालकों को स्पष्ट चेतावनी दी कि वे किसी भी प्रकार का संदिग्ध या चोरी का सामान खरीदने से बचें। साथ ही प्रत्येक खरीदी गई सामग्री का पूरा रिकॉर्ड रखने और सामान बेचने वाले व्यक्ति की पहचान संबंधी जानकारी सुरक्षित रखने के निर्देश दिए गए, ताकि जरूरत पड़ने पर पुलिस जांच में सहयोग मिल सके।

एसडीपीओ आशीष शुक्ला ने कहा कि जिले में चोरी और संपत्ति संबंधी अपराधों की रोकथाम के लिए ऐसे अभियान लगातार जारी रहेंगे। यदि कोई व्यक्ति या प्रतिष्ठान चोरी के माल की खरीद-बिक्री में शामिल पाया गया तो उसके विरुद्ध कड़ी वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने आम नागरिकों से भी अपील की है कि चोरी के सामान या किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें। कबीरधाम पुलिस का यह अभियान केवल कबाड़ी दुकानों की जांच तक सीमित नहीं है, बल्कि चोरी के सामान की खरीद-बिक्री की पूरी श्रृंखला को तोड़ने की रणनीति का हिस्सा है।

गैस एजेंसी में स्टॉक की जांच में 300 से ज्यादा सिलेंडर मिले गायब, संचालक पर प्रकरण दर्ज

श्रीकंचनपथ न्यूज

बलौदाबाजार। जिला प्रशासन की संयुक्त टीम मंगलवार को बम्लेश्वरी गैस एजेंसी में जांच के लिए पहुंची। जांच के दौरान ऑनलाइन दर्ज स्टॉक और मौके पर उपलब्ध सिलेंडरों का मिलान किया गया।

इसमें 346 रिफिल सिलेंडर कम तथा 296 खाली सिलेंडर अधिक पाए गए। इसे द्रवित पेट्रोलियम गैस (प्रदाय एवं वितरण) विनियमन, 2000 के प्रावधानों का उल्लंघन मानते हुए एजेंसी संचालक के विरुद्ध प्रकरण दर्ज किया गया।

कलेक्टर के निर्देश पर जिले में गैस एजेंसियों की जांच अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में ऑयल कंपनी के सेल्स ऑफिसर, तहसीलदार और खाद्य निरीक्षक की संयुक्त टीम ने बम्लेश्वरी गैस एजेंसी का निरीक्षण किया। एजेंसी के

खिलाफ उपभोक्ताओं के साथ उचित व्यवहार नहीं करने और वितरण में अनियमितता की शिकायतें प्राप्त हुई थीं। टीम को जांच के दौरान गैस सिलेण्डर के ऑनलाइन रिकॉर्ड और वास्तविक स्टॉक में भारी अंतर मिला, जिसके बाद मामले की सूचना इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन को भी कार्रवाई के लिए भेजी गई है।

प्रशासनिक अधिकारियों ने बताया कि जांच प्रतिवेदन संबंधित ऑयल कंपनी के को भेज दिया गया है, ताकि नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जा सके। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि गैस वितरण व्यवस्था में किसी भी प्रकार की अनियमितता तथा उपभोक्ताओं के हितों से जुड़ी शिकायतों पर सख्ती से कार्रवाई की जाएगी।

उर्वरकों के अवैध परिवहन पर कृषि विभाग की बड़ी कार्रवाई, 52 बोरी डीएपी खाद जब्त

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ के विभिन्न जिलों में कृषि विभाग द्वारा उर्वरकों की कालाबाजारी, अवैध भंडारण और अवैध परिवहन के खिलाफ व्यापक स्तर पर ताबड़तोड़ छापेमार कार्रवाई की जा रही है। कई निजी कृषि केंद्रों पर छापामार कार्रवाई कर अवैध उर्वरक बैग जब्त किए गए। कई फर्मों के लाइसेंस निलंबित और गोदाम सील किए गए हैं। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की मंशानुरूप खरीफ सीजन 2026 के दौरान किसानों को गुणवत्तापूर्ण उर्वरक उपलब्ध कराने और खाद के अवैध कारोबार पर रोक लगाने के लिए जिला प्रशासन लगातार सख्त निगरानी कर रहा है। कलेक्टर के निर्देश पर कृषि विभाग द्वारा उर्वरक विक्रेताओं एवं परिवहन गतिविधियों की नियमित जांच की जा रही है।

इसी क्रम में रायगढ़ जिले के विकासखंड तमनार में कृषि विभाग ने बड़ी कार्रवाई करते हुए सक्ती जिले के बाराद्वार से तमनार के भालूमुड़ा तक ले जाई जा रही 52 बोरी डीएपी खाद जब्त की है। कार्रवाई के दौरान परिवहन में उपयोग किए जा रहे वाहन क्रमांक सीजी-11-एबी-3152 को भी कब्जे में लिया गया। जब्त वाहन को सुरक्षित अभिरक्षा के लिए थाना तमनार में रखा गया है, जबकि

जब्त उर्वरक को सेवा सहकारी समिति तमनार में सुरक्षित रखा गया है।

प्रारंभिक जांच में अन्य जिले से सीधे कृषक के पास उर्वरक का भंडारण किया जाना उर्वरक नियंत्रण आदेश, 1985 के प्रावधानों के विपरीत प्रतीत हुआ है। इसके अलावा जब्त डीएपी खाद की गुणवत्ता को लेकर भी संदेह व्यक्त किया गया है। कृषि विभाग द्वारा उर्वरक के नमूने लेकर परीक्षण हेतु प्रयोगशाला भेजे जा रहे हैं। जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी।

जांच के दौरान तमनार के झींकाबहाल स्थित प्रतीक कृषि सेवा केंद्र में भौतिक स्टॉक और पीओएस (पॉइंट ऑफ सेल) रिकॉर्ड में अंतर पाया गया। अनियमितता सामने आने पर विभाग ने तत्काल प्रभाव से केंद्र के उर्वरक विक्रय पर प्रतिबंध लगा दिया है। कृषि विभाग ने बताया कि खरीफ सीजन शुरू होने से अब तक जिले में उर्वरक जब्ती के 4 प्रकरण और विक्रय प्रतिबंध के 20 प्रकरण दर्ज किए जा चुके हैं। विभाग किसानों को सही गुणवत्ता की खाद निर्धारित दर पर उपलब्ध कराने के लिए लगातार निरीक्षण और कार्रवाई कर रहा है।

पंजीकृत विक्रेताओं से ही खरीदें खाद और बीज

कृषि विभाग ने किसानों से अपील की है कि वे उर्वरक, बीज एवं कीटनाशक केवल अधिकृत और पंजीकृत विक्रेताओं से ही खरीदें तथा खरीदारी के समय बिल अवश्य प्राप्त करें। किसी भी प्रकार की अनियमितता या संदिग्ध गतिविधि की जानकारी मिलने पर तुरंत निकटतम कृषि कार्यालय को सूचित करें। जिला प्रशासन और कृषि विभाग किसानों को गुणवत्तापूर्ण कृषि आदान सामग्री उपलब्ध कराने तथा अवैध उर्वरक कारोबार पर प्रभावी नियंत्रण के लिए लगातार कार्रवाई कर रहे हैं। यह पहल किसानों के हितों की रक्षा और कृषि व्यवस्था में पारदर्शिता सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

भाजपा नेता पर जानलेवा हमला, जिला पंचायत सदस्य सहित 4 आरोपी गिरफ्तार

कोरबा। जिले में सोमवार दोपहर भाजपा नेता और पूर्व बालको मंडल अध्यक्ष शिव बालक सिंह तोमर पर हुए जानलेवा हमले से सनसनी फैल गई। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए जिला पंचायत सदस्य रज्जाक अली सहित चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

गंभीर रूप से घायल तोमर को मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज जारी है। शव बालक सिंह तोमर अपने भतीजे से मिलने जिला जेल गए थे। इसी दौरान उनकी मुलाकात जिला पंचायत सदस्य रज्जाक अली से हुई। रज्जाक ने तोमर को उनके भतीजे से दूर रहने की बात कही, जिस पर दोनों के बीच विवाद बढ़ गया।

विवाद बढ़ने पर रज्जाक अली और उसके साथियों ने तोमर पर हमला कर दिया। हमलावरों ने रॉड, डंडा और बेसबॉल स्टिक से उनके पैरों, खासकर घुटने के नीचे गंभीर वार किए। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ हत्या के प्रयास सहित विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है। इस घटना को लेकर भाजपा नेताओं में गहरी नाराजगी देखी जा रही है। कैबिनेट मंत्री लखन लाल देवांगन सहित कई नेता अस्पताल पहुंचकर तोमर का हालचाल लिया और आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की।

फिलहाल पुलिस पूरे मामले की गहराई से जांच कर रही है और जल्द ही और खुलासे होने की संभावना जताई जा रही है।

रायपुर में चाकू की नोक पर 10 लाख की लूट

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी रायपुर के मंदिर हसौद थाना क्षेत्र से मंगलवार रात लूट की बड़ी वारदात सामने आई है। बाइक सवार बदमाशों ने चाकू की नोक पर ठेकेदार के अकाउंटेंट से 10 लाख रुपए से भरा बैग लूट लिया और फरार हो गए। वारदात की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। वहीं, वारदात के बाद इलाके में दहशत का माहौल है। फिलहाल पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। मंदिर हसौद पुलिस के अनुसार, पीड़ित सागर डेहरिया एक ठेकेदार के यहां अकाउंटेंट के रूप में कार्यरत है। मंगलवार रात वह सेरीखेड़ी से नया रायपुर की ओर जा रहा था। उसके पास ठेके से संबंधित कार्य के लिए करीब 10 लाख रुपए नकद थे।

इसी दौरान मंदिर हसौद थाना क्षेत्र के एक सुनसान मार्ग पर बाइक सवार बदमाशों ने उसका पीछा करना शुरू कर दिया। बताया जा रहा है कि बदमाशों ने मौका देखकर उसकी बाइक रुकवा ली। इसके बाद आरोपियों ने चाकू दिखाकर उसे डराया-धमकाया और नकदी से भरा बैग लूट लिया। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी तेज रफ्तार बाइक से फरार हो गए। इसके बाद पीड़ित ने तत्काल पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी।

पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर आसपास के लोगों से पूछताछ की है। आरोपियों की पहचान के लिए क्षेत्र में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। इसके अलावा बदमाशों की तलाश के लिए पुलिस ने अलग-अलग टीमें गठित की हैं।

शुरुआती जांच में पुलिस को आशंका है कि लुटेरों को नकदी ले जाने की जानकारी पहले से थी। इसी आधार पर पुलिस इस पहलू की भी जांच कर रही है कि वारदात में किसी परिचित या अंदरूनी व्यक्ति की भूमिका तो नहीं रही। मामले में पीड़ित और उससे जुड़े लोगों से पूछताछ कर महत्वपूर्ण जानकारी जुटाई जा रही है।

रायपुर पहुंचने से पहले खत्म हुआ नशे का खेल बॉर्डर पर 3 तस्कर गिरफ्तार, 815 कैप्सूल जब्त

श्रीकंचनपथ न्यूज

महासमुंद। छत्तीसगढ़ में नशीली दवाओं की बड़ी खेप खपाने की साजिश को महासमुंद पुलिस ने ओडिशा-छत्तीसगढ़ बॉर्डर पर ही नाकाम कर दिया। सटीक मुखबिर सूचना, त्वरित नाकेबंदी और एंटी नारकोटिक टास्क फोर्स तथा थाना कोमाखान पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में तीन कथित नशा तस्करों को गिरफ्तार किया गया। आरोपियों के कब्जे से 815 नग SPASMO PROXYVON Plus कैप्सूल, परिवहन में प्रयुक्त मोटरसाइकिल और चार मोबाइल

फोन समेत कुल 72 हजार 321 रुपये की संपत्ति जब्त की गई।

पुलिस के अनुसार, नशीली दवाओं की अवैध तस्करी पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए जिले में लगातार जांच अभियान चलाया जा रहा है। इसी दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि हीरो स्प्लेंडर मोटरसाइकिल क्रमांक सीजी 04 एनडब्लू 3525 पर सवार तीन युवक ओडिशा के केसिंगा से नशीली दवा लेकर रायपुर की ओर जा रहे हैं। सूचना मिलते ही कोमाखान पुलिस ने बॉर्डर पर नाकेबंदी कर वाहन को रोका और पूछताछ में आरोपियों ने दवा केसिंगा से खरीदकर स्वयं सेवन करने तथा रायपुर में खपाने के लिए ले जाना स्वीकार किया।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान गोविन्द शर्मा (37 वर्ष), निवासी साहू कलर लैब, श्रीनगर, थाना खमतराई, रायपुर, राकेश जंघेल (31 वर्ष), निवासी अंकाक्षा अपार्टमेंट के पास, श्रीनगर, थाना खमतराई, रायपुर तथा कमलेश कुमार (37 वर्ष), निवासी डब्ल्यू.आर.एस. कॉलोनी, थाना खमतराई, रायपुर के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ अपराध क्रमांक 90/2026 के तहत धारा 21 एनडीपीएस एक्ट में मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है। जब्त सामग्री में 815 नशीले कैप्सूल (कीमत 9,321 रुपये), एक मोटरसाइकिल (30 हजार रुपये) और चार मोबाइल फोन (33 हजार रुपये) शामिल हैं। गौरतलब है कि पुलिस की यह कार्रवाई नशे के अवैध कारोबार पर कड़ा संदेश है।

बंद ढाबे में महिला की हत्या, पुलिस जांच में जुटी

रायपुर। धरसींवा थाना क्षेत्र अंतर्गत सिलतरा स्थित सोनू-मोनू चौक के पास एक बंद मिनी ढाबे में महिला की हत्या का मामला सामने आया है। पुलिस और एफएसएल की टीम मौके पर पहुंचकर मामले की जांच में जुट गई है। जानकारी के अनुसार, बंद पड़े ढाबे के अंदर एक महिला का शव संदिग्ध परिस्थितियों में बरामद किया गया। मृतका की पहचान कमली नेता (45 वर्ष) के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि वह अपने दूसरे पति सोनी देवार के साथ रहकर मजदूरी का कार्य करती थी। घटना के बाद से महिला का पति सोनी देवार फरार है, जिसकी तलाश में पुलिस लगातार दबिश दे रही है। पुलिस को घटनास्थल से खून से सना टांगिया और एक लाठी भी बरामद हुई है, जिससे हत्या की आशंका और मजबूत हो गई है। सूचना मिलने पर सिलतरा चौकी पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950